● वर्ष : 17 ● अंक : 119 ● मूल्य : 02 रुपया मात्रा ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित

सोमवार 16 फरवरी 2026

लोकतंत्र का स्तंभ

देशभर में महाशिवरात्रि पर्व की धूम

भगवान महाकाल के लिए बना 11 फुट का सेहरा

एजेंसी। नई दिल्ली

देशभर में महाशिवरात्रि पर्व की धूम है। 12 ज्योतिर्लिंग और शिव मंदिरों में आधी रात से ही दर्शन-पूजन करने भक्त पहुंच गए। मध्यप्रदेश के उज्जैन में महाकाल मंदिर के पट रात 2.30 बजे से खुले हैं। यहां लगातार 44 घंटे दर्शन-पूजन किया जाएगा। इस दौरान शयन आरती नहीं होगी। सोमवार दोपहर 12 बजे साल में एक बार होने वाली भस्म आरती भी होगी। महाकाल का दूल्हे के रूप में श्रृंगार करने के लिए 3 क्विंटल फूल मंगाए गए हैं। 100 किलो आंकड़े के फूल, सवा लाख बेल पत्र, 200 किलो देसी फूल से बना 11 फुट का सेहरा बनाया गया है। मध्यप्रदेश के खंडवा में ओंकारेश्वर मंदिर को रात 3 बजे से दर्शन के लिए खोला गया। यहां 24 घंटे लगातार दर्शन पूजन किया जाएगा। वहीं, काशी के विश्वनाथ मंदिर में रात 2:15 बजे मंगला आरती की गई। 3:30 बजे मंदिर दर्शन के लिए खुल गया। यहां रात से भक्तों की लंबी लाइन लगी है। झारखंड के देवघर में बाबाधाम मंदिर में शनिवार को पंचशूलों की विशेष पूजा की गई। इसके बाद मंदिर के शिखरों पर पंचशूलों की पुनर्स्थापना के साथ ही बाबा बैद्यनाथ और माता पार्वती का पारंपरिक गठबंधन भी हुआ। यहां महाशिवरात्रि पर सुबह 3:15 बजे विशेष पूजा की गई। सुबह 4:25 बजे मंदिर के पट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। रविवार को बाबा बैद्यनाथ मंदिर में शिव-पार्वती विवाह होगा। शाम को शिव बारात निकाली जाएगी।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों को 'महाशिवरात्रि' और 'हेराथ पोश्ते' त्योहार की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देशवासियों को 'महाशिवरात्रि' और कश्मीरी पंडित समुदाय की समृद्ध परंपराओं को दर्शाने वाले पवित्र त्योहार 'हेराथ पोश्ते' की शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, "देशभर के मेरे परिवारजनों को महाशिवरात्रि की ढेरों शुभकामनाएं। मेरी कामना है कि आदिदेव महादेव सदैव सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें। उनके आशीर्वाद से सबका कल्याण हो और हमारा भारतवर्ष समृद्धि के शिखर पर विराजमान हो। 'हेराथ पोश्ते' के अवसर पर सभी के जीवन में खुशहाली और समृद्धि की कामना करते हुए उन्होंने कहा कि यह त्योहार हमारे कश्मीरी पंडित समुदाय की समृद्ध परंपराओं को दर्शाता है। यह उत्सव सफलता के नए रास्ते खोले और हर घर को आनंद एवम संतोष से भर दे।

देश में महाशिवरात्रि पर चौतरफा हर-हर गंगे, ॐ नमः शिवाय की गूंज

नई दिल्ली। शिव उपासना के महापर्व महाशिवरात्रि पर आज सारे देश के मंदिरों खासतौर पर शिवालयों, मां गंगा- यमुना और अन्य पावन नदियों, सरोवरों के तटों पर ब्रह्म मुहूर्त लगते ही हर-हर गंगे और ॐ नमः शिवाय की गूंज होने लगी। वाराणसी और उज्जैन के साथ भगवान राम की नगरी शिवमय हो गई है। मध्य प्रदेश में उज्जैन के महाकाल मंदिर, उत्तर प्रदेश के वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर और झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए लोगों की कतार लगी हुई है। लोग जलाभिषेक कर ॐ नमः शिवाय का उद्घोष कर रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में चांदनी चौक के गौरीशंकर मंदिर और छतरपुर के श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ में पूजा-अर्चना के लिए सैलाब उमड़ पड़ा है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के बाबुलनाथ मंदिर में भी ऐसा ही दृश्य है। ओडिशा में तो कलाकार सुदर्शन पटनायक ने पुरी के समुद्र तट पर 17,000 रुद्राक्ष से शिवलिंग की कलाकृति तैयार कर महाशिवरात्रि को रेत में जीवंत कर दिया है।

एआई इम्पैक्ट समिट दिल्ली में आज से, 20 देशों के नेता व टेक लीडर्स होंगे शामिल

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली में होने जा रहे एआई इम्पैक्ट समिट में करीब 20 देशों के नेता और यूनाइटेड नेशंस चीफ के भाग लेने की उम्मीद है। कई टेक लीडर्स भी इस समिट में शामिल होने वाले हैं। यह समिट सोमवार से शुरू होकर शुक्रवार यानी 20 फरवरी तक चलेगी। यह पांच दिनों का इवेंट है, जो नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है। इसे अब तक का सबसे बड़ा एडिशन बताया जा रहा है, यह चौथी सालाना ग्लोबल मीटिंग होगी जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी की तेजी से ग्रोथ से जुड़े रिस्क और अवसरों पर फोकस करेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा है कि यह समिट एआई के लिए आगे के रास्ते पर बातचीत करने के लिए दुनिया भर के ग्लोबल लीडर्स, पॉलिसीमेकर्स, इनोवेटर्स और एक्सपर्ट्स को एक साथ लाएगी। एआई इम्पैक्ट समिट में दुनियाभर के नेताओं को आमंत्रित किया गया है, जिनमें शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, क्राउन प्रिंस ऑफ अबू धाबी- यूएई, शेरिंग तोबगे, पीएम-भूटान, एडमंड लारा मोंटानो, वाइस प्रेसिडेंट-बोलीविया, लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा, प्रेसिडेंट-ब्राजील, आंद्रेज प्लेनकोविक, पीएम-क्रोएशिया, अलार करिस, राष्ट्रपति-एस्टोनिया, पेटेरी ओर्पो, पीएम-फिनलैंड, इमैनुएल मैक्रों, राष्ट्रपति-फ्रांस, किरियाकोस मित्सोटाकिस, पीएम-ग्रीस, डॉ. भारत जगदेव, वाइस प्रेसिडेंट-गुयाना, ओल्जास बेक्टेनोव, पीएम-कजाकिस्तान, एलोइस, लिकटेंस्टीन की रियासत के वंशानुगत राजकुमार-लिकटेंस्टीन, डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम, पीएम-मॉरिशस, अलेक्जेंडर वुसिक, राष्ट्रपति-सर्बिया, पीटर पेलेग्रिनी, राष्ट्रपति-स्लोवाकिया, पेड्रो सांचेज पेरेज-कास्टेजोन, राष्ट्रपति-स्पेन, अनुरा कुमारा डिसानायका, प्रेसिडेंट-श्रीलंका, सेबेस्टियन पिल्ले, वाइस प्रेसिडेंट-सेशेल्स, गाय परमेलिन, प्रेसिडेंट-स्विट्जरलैंड, डिक शूफ, पीएम-नीदरलैंड्स शामिल हैं। यूनाइटेड नेशंस के सेक्रेटरी-जनरल एंटोनियो गुटेरेस के साथ यूएन के दूसरे सीनियर अधिकारियों के भी नई दिल्ली में होने वाले इस अहम समिट में मौजूद रहने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेशः साउथ प्लाजा में शपथ लेंगे तारिक रहमान, भारत समेत 13 देशों को आमंत्रण

ढाका। बांग्लादेश के आम चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की ऐतिहासिक जीत के बाद अब देश की बागडोर संभालने की औपचारिकताएं तेज हो गई हैं। आगामी 17 फरवरी को नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री और उनके पूरे मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होने जा रहा है। इस भव्य समारोह के लिए बांग्लादेश ने अपनी नेबरहुड फर्स्ट और वैश्विक कूटनीति को मजबूती देते हुए भारत और पाकिस्तान समेत कुल 13 देशों को निमंत्रण भेजा है। आमंत्रित देशों की सूची में चीन, सऊदी अरब, तुर्की, यूएई, कतर, मलेशिया, ब्रुनेई, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्र शामिल हैं। इस बार का यह समारोह कई मायनों में अनूठा और ऐतिहासिक होने वाला है। परंपरा से हटकर, यह शपथ ग्रहण राष्ट्रपति भवन के बजाय राष्ट्रीय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में आयोजित किया जा रहा है। यह बदलाव नए राजनीतिक युग की शुरुआत के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। संवैधानिक रूप से यह शपथ ग्रहण प्रक्रिया कुछ चुनौतियों और विशेष बदलावों के बीच संपन्न होगी।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र कल से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर, रक्षा सहयोग को मजबूत करने करेंगे चर्चा

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी 16 से 19 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर

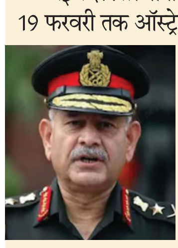

जा रहे हैं। इस यात्रा का उद्देश्य भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा सहयोग को और मजबूत करना और दोनों देशों के बीच बढ़ते तालमेल को सुदृढ़ करना है। अपनी सेना प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बलों के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ व्यापक वार्ता करेंगे, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास, पेशेवर आदान-प्रदान और क्षमता निर्माण समेत सेना-से-सेना के बीच संबंधों को बढ़ाना है। सिडनी में सेना प्रमुख (सीओएएस) फोर्सेस कमांड (एफओआरकॉमडी), स्पेशल ऑपरेशंस कमांड (एसओकॉमडी) और द्वितीय डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे। यह उल्लेखनीय है कि द्वितीय डिवीजन के सैनिक द्विपक्षीय सेना अभ्यास ऑस्ट्राहिंद में भाग लेते हैं, जिसका अगला संस्करण 2026 में भारत में आयोजित होने वाला है। सेना प्रमुख उपेंद्र कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट के साथ बातचीत होगी। ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख और जनरल उपेंद्र द्विवेदी, यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के 2015 बैच के पूर्व छात्र हैं और उनके बीच मजबूत पेशेवर संबंध हैं। इसके अलावा जनरल उपेंद्र संयुक्त संचालन कमान मुख्यालय (एचक्यूजेओसी) का दौरा करेंगे, जहां वे संयुक्त संचालन कमांडर से मिलेंगे और एकीकृत और बहु-क्षेत्रीय अभियानों समेत ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बलों की परिचालन गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

देश में बिजली उत्पादन क्षमता में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी, 10 महीनों में 52,537 मेगावाट जुड़ी

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले 10 महीनों में बिजली उत्पादन क्षमता में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी हुई है। इस वित्तवर्ष में अब तक का सबसे बड़ा इजाफा करते हुए बिजली उत्पादन 11 फीसदी से ज्यादा बढ़ोत्तरी हुई है। देश के कुल बिजली उत्पादन में 52,537 मेगावाट की बढ़ोत्तरी के साथ कुल बिजली उत्पादन 5,20,510.95 मेगावाट हो गया। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के अनुसार, इस साल 31 जनवरी तक बढ़ी कुल क्षमता में 39,657 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा से है। इसमें 34,955 मेगावाट सौर ऊर्जा और 4,613 मेगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। मंत्रालय ने बताया कि यह एक साल में अब तक की सबसे बड़ी क्षमता वृद्धि है। इससे पहले 2024-25 में 34,054 मेगावाट क्षमता जोड़ी गई थी। देश की कुल स्थापित क्षमता में 2,48,541.62 मेगावाट जीवाश्म ईंधन आधारित है। जबकि 2,71,969.33 मेगावाट क्षमता गैर-जीवाश्म स्रोतों से है। गैर-जीवाश्म स्रोतों में 8,780 मेगावाट परमाणु ऊर्जा शामिल है। वहीं 2,63,189.33 मेगावाट क्षमता नवीकरणीय ऊर्जा से है।

सीबीडीसी आधारित पीडीएस की शुरुआत कर अमित शाह ने कहा- बिचौलियों की भूमिका होगी खत्म

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर में सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की शुरुआत की। साथ ही उन्होंने राशन बांटने वाली अन्नपूर्णा मशीन का भी शुभारंभ किया। इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी भी मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से डिजिटल इंडिया का विस्तार अब राशन वितरण तक हो गया है। यह प्रणाली गरीबों को सस्ता अनाज देने की व्यवस्था को आधुनिक, सरल और पारदर्शी बनाएगी। गरीबों को मिलने वाले राशन में पारदर्शिता आएगी और भ्रष्टाचार खत्म होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से गरीबों को डिजिटल माध्यम से सीधे राशन मिलेगा। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी। जैसे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से भ्रष्टाचार कम हुआ, वैसे ही यह व्यवस्था राशन वितरण में पारदर्शिता लाएगी। गृह मंत्री ने 'अन्नपूर्णा मशीन' का भी शुभारंभ किया। यह मशीन 35 सेकंड में 25 किलो अनाज वितरित कर सकती है।

उन्होंने कहा कि इससे सही मात्रा और गुणवत्ता सुनिश्चित होगी। अमित शाह ने कहा कि अगले तीन से चार सालों में इस प्रणाली को पूरे देश में लागू किया जाएगा। इससे हर पात्र व्यक्ति को उसका अधिकार का राशन पारदर्शी तरीके से मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार देश के 80 करोड़ लोगों को हर महीने प्रति व्यक्ति 5 किलो मुफ्त अनाज दे रही है। नई व्यवस्था से खाद्य सुरक्षा प्रणाली और मजबूत होगी। सरकार की नीतियों से करोड़ों लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

सिक्किम और त्रिपुरा में लगे भूकंप झटके, तीव्रता कम होने से नहीं हुआ जान-माल का नुकसान

नई दिल्ली। रविवार सुबह भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में भूकंप के कई झटके लगे। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के आंकड़ों के मुताबिक भारत में कुल चार झटके दर्ज किए गए, जिनमें से तीन सिक्किम और एक त्रिपुरा में आया। सिक्किम के नामची में सुबह 5:26 बजे और फिर 6:58 बजे 2.4 तीव्रता के दो झटके महसूस किए गए, जबकि मंगन में सुबह 5:10 बजे 2.2 तीव्रता का भूकंप आया। इसके साथ ही त्रिपुरा के गोमती जिले में भी सुबह 6:38 बजे 2.6 तीव्रता का झटका आया। राहत की बात यह है कि इन झटकों की तीव्रता कम थी और केंद्र जमीन से केवल 5 से 10 किलोमीटर की गहराई में था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत के अलावा दुनिया के कई देशों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। अफगानिस्तान में सुबह 4:28 बजे 4.3 तीव्रता का सबसे तेज झटका महसूस आया, जिससे वहां हल्के नुकसान की खबरें है, हालांकि किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। इसके अलावा म्यांमार में तड़के दो बार 3.2 तीव्रता के झटके लगे।

फ्रांस के साथ छठा रक्षा संवाद 17 फरवरी को हैमर मिसाइल समझौते पर हस्ताक्षर संभव

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को बेंगलुरु में फ्रांस के साथ छठे भारत-फ्रांस वार्षिक रक्षा संवाद की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में फ्रांस की सशस्त्र बल मंत्री कैथरीन वौत्रिन भी शामिल होंगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग की समीक्षा होगी और रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा। बैठक में रक्षा सहयोग समझौते को अगले 10 वर्ष के लिए नवीनीकरण किया जा सकता है। हैमर मिसाइल के संयुक्त निर्माण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। दोनों देश भारतीय सेना और फ्रांसीसी थल सेना में अधिकारियों की पारस्परिक तैनाती को लेकर घोषणा कर सकते हैं। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों कर्नाटक के वेमगल में टाटा एयरबस के एच125 हेलीकॉप्टर अंतिम असेंबली संयंत्र का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम को दोनों रक्षा मंत्री देखेंगे। मंत्रालय के अनुसार भारत और फ्रांस के बीच रक्षा सहयोग दोनों देशों के संबंधों का महत्वपूर्ण स्तंभ है। दोनों देश नियमित रूप से शक्ति, वरुण और गरुड़ सैन्य अभ्यास करते हैं। कैथरीन वौत्रिन के रक्षा मंत्री बनने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा होगा।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

अमेरिका-भारत में संविधान और लोकतंत्र के नये मानक?

विश्व के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश अमेरिका और भारत आज केवल राजनीतिक एवं व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को नये तरीके से परिभाषित करने के केंद्र बन रहे हैं। इस कारण अमेरिका और भारत की संघीय लोकतांत्रिक एवं प्रशासकीय व्यवस्था को लेकर बड़े सवाल उठने लगे हैं। बदलते वैश्विक परिदृश्य में तकनीकी क्रांति, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक विविधताओं के बीच इन दोनों देशों ने संविधान और लोकतंत्र की नई व्याख्या करने की शुरुआत कर दी है, जो शासक आधारित है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता का विकेंद्रीकरण एवं जवाबदेही तय होती है। भारत में पिछले कई वर्षों से सत्ता का केंद्रीकरण होता जा रहा है। अमेरिका में भी दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से निर्णय ले रहे हैं, उससे भी शासन व्यवस्था में ट्रम्प का एकाधिकार अमेरिका में बढ़ता जा रहा है।

अमेरिका के जो राज्य हैं, उनकी दूरी केंद्रीय सत्ता से बढ़ती चली जा रही है। नई व्याख्या परंपरागत मूल्यों को बनाए रखते हुए समयानुकूल बदलाव के लिए लोकतांत्रिक पद्धति एवं सत्ता का विकेंद्रीकरण पूर्व की तरह बना रहेगा, तभी लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं मजबूत रहेंगी। भारत का संविधान विविधता में एकता का प्रतीक है। भारत में विभिन्न भाषा, धर्म, संस्कृति और परंपराओं की असंख्य धाराएँ संविधान एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में समाहित हैं। वहीं अमेरिका का संविधान व्यक्तिगत स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आज़ादी, मानव अधिकारों की रक्षा एवं संघीय व्यवस्था प्रदान करता है। दोनों देशों ने अपने-अपने ऐतिहासिक अनुभवों से लोकतंत्र को मजबूत किया था। अमेरिका ने स्वतंत्रता संग्राम और नागरिक अधिकार आंदोलनों से, वहीं भारत ने स्वतंत्रता आंदोलन और सामाजिक न्याय के लिए भारतीय संविधान तैयार किया था।

भारतीय संविधान ने लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और न्यायिक तंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज विश्व में लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर कई चुनौतियों का सामना अमेरिका और भारत दोनों को ही करना पड़ रहा है। चाहे वह, सत्ता के केंद्रीयकरण का मामला हो या फेक न्यूज़ का प्रसार हो। वैधानिक संस्थाओं पर सत्ता का बढ़ता दबाव लोकतंत्र और न्याय तंत्र दोनों को ही प्रभावित कर रहा है। मानव अधिकारों को लेकर वह स्वतंत्रता अब नहीं मिलती, जैसे कुछ समय पहले देखने को मिलती थी। ऐसे समय में भारत और अमेरिका में सत्ता पक्ष द्वारा लोकतंत्र को नए सिरे से परिभाषित किया जा रहा है। यह परिभाषा केवल चुनावी प्रक्रिया और सत्ता तक सीमित नहीं है। अमेरिका और भारत में शासन व्यवस्था की पारदर्शिता, जवाबदेही, डिजिटल अधिकारों और नागरिक अधिकारों को लेकर तनाव के दौर से गुजर रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कहा जा रहा है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका मे जो निर्णय ले रहे हैं, उनमें वे अमेरिकन कानूनो को नजर अंदाज कर रहे हैं। राज्य और केंद्र के बीच में भी मतभेद बढ़ते चले जा रहे हैं।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

ओवैसी का बड़ा बयानः वफादारी साबित करने के लिए वंदे मातरम का सहारा जरूरी नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने राष्ट्रगीत और देश के प्रति वफादारी को लेकर एक विवादित टिप्पणी की है। एक हालिया इंटरव्यू के दौरान ओवैसी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वंदे मातरम गाना या इसे सम्मान देना किसी भी नागरिक की देश के प्रति वफादारी का पैमाना नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि ये संगठन भारत को एक धार्मिक राष्ट्र में तब्दील करने की कोशिश कर रहे हैं। ओवैसी ने तर्क दिया कि भारतीय संविधान हम लोग शब्द से शुरू होता है, न कि भारत माता की जय जैसे नारों से। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 25 का हवाला देते हुए कहा कि यह देश के हर नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता के बुनियादी अधिकार की गारंटी देता है। यह विवाद तब गहराया जब केंद्र सरकार ने 12 फरवरी को एक नया आदेश जारी किया। इस आदेश के तहत अब राष्ट्रगीत वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन के समान ही सम्मान देना अनिवार्य कर दिया गया है। नए नियमों के अनुसार, अब राष्ट्रगीत के सभी छह अंतरों का गायन अनिवार्य होगा, जिसकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकंड निर्धारित की गई है। इससे पहले तक आमतौर पर मूल गीत के केवल पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे। ओवैसी ने अपने संबोधन में सावरकर को भारत रत्न देने की मांग की भी तीखी आलोचना की। उन्होंने जस्टिस कपूर कमीशन की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि आयोग ने सावरकर को महात्मा गांधी की हत्या का साजिशकर्ता माना था। इसके अलावा, उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कयामत शब्द के इस्तेमाल पर भी कटाक्ष किया। ओवैसी ने चुटकी लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को कम से कम एक उर्दू शब्द का हिंदी अर्थ पता होना चाहिए। राजनीतिक गलियारों में चल रही चर्चाओं पर विराम लगाते हुए ओवैसी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से जुड़े किसी भी अविश्वास प्रस्ताव में अपनी भूमिका से साफ इनकार किया।

वार-पलटवारः एपस्टीन फाइल्स पर भाजपा ने सिब्बल को घेरा, राहुल गांधी से मांगा जवाब

नई दिल्ली। अमेरिका के बदनाम फाइनेंशर और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों के सार्वजनिक होने के बाद भारत के राजनीतिक गलियारों में भी भूचाल आ गया है। इस मामले ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच एक नया मोर्चा खोल दिया है, जहां दोनों दल एक-दूसरे पर एपस्टीन से संबंधों के गंभीर आरोप लगा रहे हैं। शुरुआत में कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को निशाने पर लिया था, लेकिन अब भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल पर सीधा हमला बोला है। भाजपा ने कांग्रेस और राहुल गांधी से जवाब मांगते हुए दावा किया है कि कपिल सिब्बल को एक ऐसे कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया था, जिसे कथित तौर पर जेफ्री एपस्टीन ने फंड किया था।

फिक्की–मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने चैलेंज विजेताओं की घोषणा की; डीपीआईआईटी ने 10,000 करोड़ स्टार्टअप फंड का ऐलान किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बड़ा प्रोत्साहन देते हुए भारत सरकार ने स्टार्टअप्स के लिए 10,000 करोड़ के 'फंड ऑफ फंड्स' को नामित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय देशभर में उद्यमिता को सशक्त बनाने और उच्च क्षमता वाले उपक्रमों को विस्तार देने की प्रतिबद्धता को दोहराता है। इसकी घोषणा भारत सरकार के डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव श्री संजीव सिंह ने 13 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित फिक्की–मर्सिडीज-बेंज इंडिया भारत इनोवेशन एवं बिज़नेस आइडियाज़ चैलेंज कार्यक्रम के दौरान की। यह राष्ट्रीय पहल विनिर्माण, स्थिरता, डीकार्बोनाइजेशन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में उच्च क्षमता वाले स्टार्टअप्स को समर्थन देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। कार्यक्रम का समापन 32 शॉर्टलिस्टेड फाइनलिस्ट्स में से विजेताओं के चयन के साथ हुआ। 10,000 करोड़ के फंड ऑफ फंड्स की घोषणा करते हुए श्री संजीव सिंह ने कहा कि यह निर्णय भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम के विस्तार और परिपक्वता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि जब 2016 में 'स्टार्टअप इंडिया' अभियान शुरू हुआ था, तब लगभग 400 मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स थे और अपेक्षाकृत कम राशि का फंड भी महत्वपूर्ण माना जाता था। आज 10,000 करोड़ के फंड का नामांकन सरकार के इस विश्वास को दर्शाता है कि भारत नवाचार और उद्यमिता में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर श्री सिंह ने सात विजेता स्टार्टअप्स को 30-30 लाख के चेक भी प्रदान किए, जो नवाचार, उद्यमिता और उद्योग–सरकार सहयोग को मजबूत करने की सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह घोषणा फिक्की–मर्सिडीज-बेंज इंडिया भारत इनोवेशन एवं बिज़नेस आइडियाज़ चैलेंज कार्यक्रम के पुरस्कार समारोह के दौरान की गई, जहां अंतिम 32 शॉर्टलिस्टेड स्टार्टअप्स में से छह विजेताओं का चयन किया गया। श्री सिंह ने कहा कि स्टार्टअप इकोसिस्टम में सफलता कभी रातोंरात नहीं मिलती, बल्कि यह वर्षों की मेहनत, सीख और धैर्य का परिणाम होती है। भारत की समृद्ध उद्यमशील और नवाचार परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश की उद्यमशीलता की भावना गहरी सभ्यतागत जड़ों से जुड़ी है और आज के संस्थापक उसी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पूंजी महत्वपूर्ण है, लेकिन सतत विकास, सुशासन, अनुशासन और मूल्य सृजन ही दीर्घकालिक संस्थानों के निर्माण की आधारशिला हैं। दिसंबर 2025 में फिक्की और मर्सिडीज-बेंज इंडिया की साझेदारी में शुरू की गई इस पहल के तहत 2026 संस्करण के विजेताओं की घोषणा की गई, जिनमें CarbonM Fuelmax Technology Private Limited, Exobot, AmpCycle, Dexsent Robotics Private Limited, CALLX RINGERS PRIVATE LIMITED और X Able शामिल हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मर्सिडीज-बेंज इंडिया के कार्यकारी निदेशक एवं संचालन प्रमुख श्री व्यंकटेश कुलकर्णी ने कहा कि भारत में नवाचार अब एक प्रवृत्ति नहीं बल्कि राष्ट्रीय शक्ति बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से मर्सिडीज-बेंज इंडिया नवाचार, सहयोग और जिम्मेदार उद्यमिता को प्रोत्साहित कर भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में सार्थक योगदान देना चाहता है।

बाएं से दाएं : सुमीत गुप्ता, निदेशक, फिक्की; विजेता – कंट्रोल ज़ेड; श्री संजीव सिंह, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी, भारत सरकार; श्री व्यंकटेश कुलकर्णी, कार्यकारी निदेशक एवं संचालन प्रमुख, मर्सिडीज-बेंज इंडिया।

तीन दिवसीय 46वाँ दास धर्म संत समागम हुआ शुरू

समागम में विश्व शांति के लिए प्रार्थना

लोकतंत्र की शान

गाजियाबाद। सचखंड नानक धाम के संरक्षक एवं प्रमुख संत श्री त्रिलोचन दास जी महाराज के पावन सान्निध्य में तीन दिवसीय 46वाँ दास धर्म संत समागम का आयोजन 14, 15 एवं 16 फ़रवरी 2026 को इन्द्रापुरी, लोनी, गाज़ियाबाद में भव्य रूप से 14 फरवरी को आरंभ हुआ। समागम में देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर आध्यात्मिक वातावरण को गौरवपूर्ण बनाया। समागम के प्रथम दिवस 14 फ़रवरी को मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख श्री भारत भूषण जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में राष्ट्र निर्माण, संस्कार और आध्यात्मिक जागरण के महत्व पर प्रकाश डाला। द्वितीय दिवस 15 फ़रवरी को देशभर से आई सुहागिनों द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों मातृशक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर दिल्ली के चाँदनी चौक से सांसद श्री प्रवीण खंडेलवाल जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने संस्था द्वारा संचालित धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

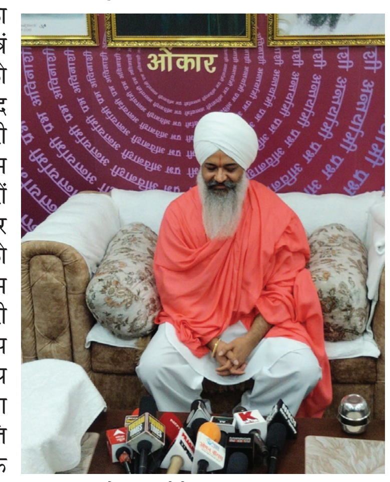

ख़ास ख़बर

इंडियाएआई मिशन: नैतिक एआई उपयोग के लिए भारत की राष्ट्रव्यापी पहल

लोकतंत्र की शान: नई दिल्ली। केंद्रीय के इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 'इंडियाएआई मिशन' के तहत एक अभूतपूर्व डिजिटल अभियान की घोषणा की है। यह अभियान 16-20 फरवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने वाले 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' का एक मुख्य हिस्सा है। इस शिखर सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इंटेल इंडिया के सहयोग से शुरू होने वाला यह राष्ट्रव्यापी अभियान सोमवार सुबह करीब 8:00 बजे से प्रसारित होगा। इसका मुख्य उद्देश्य "मोस्ट प्लेज रिसीव्ड फॉर एन एआई रिस्पॉन्सिबिलिटी कैंपेन इन 24 ऑवर्स" का आधिकारिक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करना है। इसके अलावा, एआई के उत्तरदायी उपयोग, डेटा गोपनीयता, जवाबदेही और गलत सूचनाओं से निपटने के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इस पहल में परिदृश्य-आधारित प्रश्न शामिल हैं जो प्रतिभागियों को औपचारिक प्रतिज्ञा लेने से पहले उत्तरदायी एआई प्रथाओं पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इस अभियान को इस तरह से तैयार किया गया है कि यह सभी क्षेत्रों और लोगों के लिए सुलभ और भागीदारी में आसान हो। इसके लिए माइक्रोफोन या कैमरा एक्सेस की आवश्यकता नहीं है और न ही कोई योग्यता मानदंड या पात्रता संबंधी बाधाएं हैं।इस पहल में छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों, सरकारी अधिकारियों, सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों, उद्योग जगत के पेशेवरों, स्टार्टअप कंपनियों और विभिन्न पृष्ठभूमियों के नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाता है। इस मौके पर राष्ट्राध्यक्ष, वैश्विक नेता, नीति निर्माता, उद्योग विशेषज्ञ, शोधकर्ता, स्टार्टअप, शिक्षाविद और नागरिक समाज के प्रतिनिधि विचार-विमर्श करेंगे।

जयंत चौधरी मंगलवार को एआई समिट के पवेलियन का दौरा करेंगे

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) नई दिल्ली में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेगा। ग्लोबल साउथ के इस सबसे बड़े एआई सम्मेलन मंत्रालय एक विशेष पवेलियन के माध्यम से भारत के युवाओं को एआई-सक्षम बनाने की अपनी रणनीति प्रदर्शित करेगा। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने रविवार को यह जानकारी साझा करते हुए कहा, "वैश्विक दक्षिण में सबसे बड़े एआई शिखर सम्मेलनों में से एक की मेजबानी करना, एक जिम्मेदार और समावेशी एआई भविष्य को आकार देने के हमारे संकल्प को दर्शाता है। मैं वैश्विक भागीदारों के साथ सार्थक चर्चा करने और यह प्रदर्शित करने के लिए उत्सुक हूं कि भारत किस प्रकार अपने युवाओं और कार्यबल को एआई-तैयार कौशल से लैस कर रहा है जो सभी के लिए विकास और अवसरों को बढ़ावा देता है।" जयंत चौधरी मंगलवार को एमएसडीई पवेलियन का दौरा करने वाले हैं, जहां वे स्थापित उपकरणों की समीक्षा करेंगे, युवा प्रतिभागियों के साथ बातचीत करेंगे और एआई-सक्षम कौशल विकास समाधानों का प्रदर्शन करते हुए हितधारकों के साथ जुड़ेंगे।एमएसडीई का पवेलियन इस बात पर केंद्रित होगा कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता आजीविका को विस्थापित करने के बजाय उसे और अधिक सशक्त बना सकती है। इस सम्मेलन में वैश्विक नेता और नीति निर्माता भारत की एआई यात्रा के केंद्र में स्थित 'कौशल विकास' के मॉडल को देखेंगे।

सीतारमण ने जर्मन लीडरशिप के साथ भारत-ईयू एफटीए, इन्वेस्टमेंट पर चर्चा की

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जर्मनी के अपने दौरे के दौरान म्यूनिख में वरिष्ठ जर्मन नेताओं और उद्योगपति से मुलाकात की। इस मुलाकात के दोरान उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) के पृष्ठभूमि में द्विपक्षीय व्यापार रिश्तों और विनिर्माण, प्रौद्योगिकी और कृषि में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।वित्त मंत्रालय ने रविवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बातया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जर्मनी के उप-चांसलर और संघीय वित्त मंत्री लार्स क्लिंगबील से भेंट की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने जनवरी में भारत में प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी और जर्मनी के संघीय चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बीच हुई बैठक का उल्लेख किया, जिससे रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती मिली थी। इस बैठक में लार्स क्लिंगबील ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को व्यापार और निवेश के लिए बड़ा कदम बताया। उन्होंने द्विपक्षीय विकास सहयोग तथा भारत में मेट्रो रेल विस्तार परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया। वित्त मंत्रालय के मुताबिक दोनों पक्षों ने बैठक में औद्योगिक सहयोग को नई दिशा देने पर सहमति जताई। निर्मला सीतारमण ने जर्मन पक्ष को भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली की सफलता के बारे में अवगत कराया और भारत की डिजिटल संरचना से जुड़ी सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को साझा करने की इच्छा व्यक्त की। इससे पहले म्यूनिख में वित्त मंत्री सीतारमण ने लिकटेंस्टाइन की प्रधानमंत्री ब्रिगिट हास और युवराज एलोइस फिलिप मारिया से भी मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान लिकटेंस्टाइन स्थित कंपनियों के भारत में किए जा रहे निवेश की समीक्षा की गई। इसके साथ ही निर्माण, पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकी, कृषि उपकरण तथा जलवायु परिवर्तन से जुड़े क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने पर चर्चा हुई। इसके अलवा वित्त मंत्री ने यूरोपीय केंद्रीय बैंक की अध्यक्ष क्रिस्टीन लागार्ड से भी भेंट की। दोनों पक्षों ने जनवरी 2026 में भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिए जाने की दिशा में प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। सीतारमण ने कहा कि इस समझौते के तहत व्यापार को सुगम बनाने में यूरोपीय केंद्रीय बैंक की वित्तीय भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। उल्लेखनीय है कि 62वां म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन-2026 (एमएससी-2026) वैश्विक सुरक्षा पर एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय मंच है, जो 13 से 15 फरवरी तक जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित हो रहा है। इस सम्मेलन में 60 से ज़्यादा देश एवं सरकार के प्रमुख और सैकड़ों पॉलिसीमेकर और एक्सपर्ट शामिल हो रहे हैं।

दिल्ली यातायात पुलिस ने एआई इम्पैक्ट समिट के मद्देनजर जारी की सलाह, 16 से 20 फरवरी तक कई सड़कों पर रहेगा नियंत्रण

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाले एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के मद्देनजर दिल्ली यातायात (ट्रैफक) पुलिस ने विस्तृत ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार समिट का आयोजन भारत मंडपम, प्रगति मैदान में होगा। कार्यक्रम में कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष , सरकार प्रमुख, मंत्रीगण, प्रतिनिधि और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे। इसे देखते हुए नई दिल्ली जिला और उससे सटे क्षेत्रों में व्यापक यातायात नियंत्रण लागू किया जाएगा। पुलिस के अनुसार इसका उद्देश्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ आम जनता की आवाजाही को भी यथासंभव सुगम बनाए रखना है। आवश्यक सेवाओं और मेडिकल इमरजेंसी वाहनों को हर समय प्राथमिकता दी जाएगी।

इन सड़कों पर रहेगा नियंत्रण:16 से 20 फरवरी के बीच निम्न प्रमुख मार्गों से बचने की सलाह दी गई है— मथुरा रोड (सुब्रमण्यम भारती मार्ग टी-पॉइंट से लोधी रोड फ्लाईओवर तक), सुब्रमण्यम भारती मार्ग, राजेश पायलट मार्ग, तीस जनवरी मार्ग, अकबर रोड, तीन मूर्ति मार्ग, मदर टेरेसा क्रेसेंट, सरदार पटेल मार्ग, जनपथ, फिरोज शाह रोड, शांति पथ, सत्य मार्ग, अफ्रीका एवेन्यू (भीकाजी कामा से यशवंत प्लेस तक), कमाल अतातुर्क मार्ग, एपीजे अब्दुल कलाम रोड, सी-हेक्सागन, डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग, सिकंदर रोड, अशोका रोड, पृथ्वीराज रोड, कौटिल्य मार्ग, पुराना किला रोड, शेरशाह सूरी मार्ग, तिलक मार्ग, भगवान दास रोड, सेंट्रल स्पाइन रोड, नॉर्थ एक्सेस रोड, रिंग रोड (ब्रार स्क्वायर से एम्स तक), कैरिअप्पा मार्ग (किरबी प्लेस तक), लोधी रोड, नीलागुंबद, कर्तव्य पथ, रफी मार्ग, कनॉट प्लेस आउटर सर्किल, संसद मार्ग, बाबा खड़क सिंह मार्ग, औरोबिंदो मार्ग (एम्स यू-टर्न से आगे), तुगलक रोड, सफदरजंग रोड, पंचकुइयां रोड (मंदिर मार्ग टी-पॉइंट से कनॉट प्लेस तक), उलान बतोर मार्ग, द्वारका लिंक रोड, एएफएस पालम रोड, थिमैया रोड, परेड रोड, एनएच-48 (रंगपुरी से धौला कुआं), राव तुला राम मार्ग, पंचशील मार्ग, सैन मार्टिन मार्ग, न्याय मार्ग, ब्रिगेडियर होशियार मार्ग आदि।

प्रतिबंधित क्षेत्र:भैरों मार्ग (रिंग रोड टी-पॉइंट को छोड़कर) तथा मथुरा रोड (सुब्रमण्यम भारती मार्ग टी-पॉइंट से डॉ. डीएनडी दलमिया चौक तक) पर रूट मूवमेंट के दौरान सामान्य वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

बाहरी वाहनों के लिए व्यवस्था:गैर-गंतव्य वाहनों को अनिवार्य रूप से ईस्टर्न व वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे सहित वैकल्पिक मार्गों की ओर डायवर्ट किया जाएगा। ऐसे वाहनों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

रेलवे स्टेशनों के लिए सुझाए गए मार्ग:

-नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के लिए आईएसबीटी कश्मीरी गेट–बुलेवार्ड रोड–रानी झांसी मार्ग–डीबीजी रोड, आश्रम चौक–रिंग रोड–राजघाट–जेएलएन मार्ग, वंदे मातरम मार्ग–डॉ. अंबेडकर मार्ग–पंचकुइयां रोड–कनॉट प्लेस आउटर सर्किल मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

-पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के लिए आईएसबीटी–रिंग रोड–हनुमान मंदिर–एसपी मुखर्जी मार्ग तथा आश्रम–रिंग रोड–राजघाट–हनुमान मंदिर–एसपी मुखर्जी मार्ग विकल्प रहेंगे।

-हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के लिए एम्स–रिंग रोड–आश्रम–मथुरा रोड तथा आईएसबीटी–रिंग रोड–राजघाट–आश्रम–मथुरा रोड मार्ग सुझाया गया है।

एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों के लिए सलाह:यात्रियों को मेट्रो सेवा का अधिकतम उपयोग करने की सलाह दी गई है। सड़क मार्ग से जाने वालों के लिए गुरुग्राम, द्वारका, पश्चिम, उत्तर व पूर्वी दिल्ली से अलग-अलग वैकल्पिक मार्ग तय किए गए हैं। एनएच-48, यूईआर-2 (नया संचालित टनल), राव गजराज सिंह मार्ग, राव तुला राम मार्ग, पंखा रोड और सेक्टर-22 द्वारका रोड प्रमुख विकल्प रहेंगे।

बस, मेट्रो और टैक्सी व्यवस्था:वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान बसों को आवश्यकता अनुसार डायवर्ट किया जाएगा। मेट्रो सेवा सभी स्टेशनों पर सामान्य रूप से उपलब्ध रहेगी। ऑटो और टैक्सी को केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करने की अनुमति होगी।

बोर्ड परीक्षा वाले स्कूलों के लिए विशेष प्रबंध:17 फरवरी से शुरू हो रही बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर 10 स्कूल ऐसे चिह्नित किए गए हैं जो वीवीआईपी रूट पर स्थित हैं। इनमें अटल आदर्श सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल, केंद्रीय विद्यालय नंबर-2 और गुरु हरिकिशन पब्लिक स्कूल सहित अन्य विद्यालय शामिल हैं। इन स्कूलों के लिए ट्रैफिक पुलिस ने नोडल अधिकारी तैनात किए हैं और वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए हैं, जिनकी जानकारी शिक्षा विभाग और स्कूल प्रबंधन को दे दी गई है।

आम जनता के लिए निर्देश

-वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़ा करें।

-अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें।

-एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों के लिए पर्याप्त समय लेकर निकलें।

-किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

-ट्रैफिक से जुड़ी ताजा जानकारी के लिए नागरिक दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपडेट लेते रहें। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे धैर्य बनाए रखें, यातायात नियमों का पालन करें और ड्यूटी पर तैनात कर्मियों का सहयोग करें, ताकि राजधानी में समिट के दौरान सुचारु यातायात व्यवस्था बनी रहे।

आईआईटी मद्रास का कंसोर्टियम मॉडल तकनीक के तेज व्यावसायीकरण में अहम: जितेन्द्र सिंह

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि आईआईटी मद्रास का कंसोर्टियम आधारित नवाचार मॉडल तकनीक के त्वरित और उपयुक्त व्यावसायीकरण को संभव बना रहा है। अन्य शैक्षणिक संस्थान और विश्वविद्यालय भी इस मॉडल को अपना रहे हैं। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने रविवार को आईआईटी मद्रास रिसर्च पार्क स्थित इमर्सिव टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप लैब्स (आईटीईएल) फाउंडेशन और अन्य उन्नत शोध केंद्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शहरी परिवहन, अंतरिक्ष तकनीक, चिकित्सा उपकरण और मस्तिष्क अनुसंधान से जुड़े प्रोजेक्ट की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि कंसोर्टियम मॉडल में उद्योग की भागीदारी विकास के शुरुआती चरण से होती है। इससे शोध सीधे व्यावहारिक जरूरतों से जुड़ता है और तकनीक तेजी से बाजार तक पहुंचती है। उन्होंने कहा कि अकादमिक संस्थानों, उद्योग और सरकार के समन्वय से नवाचार को गति मिलती है। इस दौरान एआई आधारित शहरी परिवहन प्रणाली का प्रदर्शन किया गया। इस परियोजना का उद्देश्य 15 किलोमीटर की दूरी को लगभग 20 मिनट में तय करना है। यह ऊंचे ट्रैक पर छोटे इलेक्ट्रिक वाहनों के जरिए संचालित होगी। इसका मकसद ट्रैफिक जाम कम करना है। डॉ. सिंह ने निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप अग्निकुल कॉसमॉस के कार्यों की भी समीक्षा की। कंपनी छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए रॉकेट बना रही है। कंपनी इस वर्ष अपने पुनः उपयोग योग्य रॉकेट के वाणिज्यिक मिशन की तैयारी कर रही है। उन्होंने आईआईटी मद्रास इनक्यूबेशन सेल का भी दौरा किया। यहां अब तक 500 से अधिक स्टार्टअप विकसित किए गए हैं। ये स्टार्टअप जलवायु, स्वास्थ्य, एआई और डीप टेक क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर में स्वदेशी चिकित्सा उपकरणों की जानकारी दी गई। यहां विकसित 12 उत्पाद भारत और विदेश में 2 करोड़ से अधिक मरीजों तक पहुंच चुके हैं। इसका उद्देश्य आयात पर निर्भरता कम करना है। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने सुधा गोपालकृष्णन ब्रेन सेंटर का भी दौरा किया। यहां मानव मस्तिष्क की उच्च गुणवत्ता वाली 3डी इमेज तैयार की जा रही है। यह भारत में इस तरह का पहला प्रयास है।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता अप्रैल में लागू होने की संभावना

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच जुलाई, 2025 में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (सीईटीए) के इस साल अप्रैल में लागू होने की प्रबल संभावना है। इसके तहत भारतीय निर्यातकों को यूके में 99 फीसदी उत्पादों पर (शून्य शुल्क यानी शुल्क मुक्त) पहुंच मिलेगी, जबकि कारों और व्हिस्की पर शुल्क कम होगा। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को दी गई जानकारी में बताया कि दोनों देश इसे अंतिम रूप देने के लिए काम कर रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिछले साल जुलाई में हुए भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता इस साल अप्रैल में लागू होने की संभावना है। हालांकि, इस समझौते पर ब्रिटिश संसद की मुहर लगना अभी बाकी है। अधिकारी ने बताया, "हमें इस समझौते के अप्रैल में लागू होने की उम्मीद है।" दोनों देशों ने दोहरा अंशदान संधि (डीसीसी) पर भी हस्ताक्षर किए हैं, ताकि अस्थायी कर्मचारी किसी भी देश में दो बार सामाजिक कर न दें। अधिकारी ने बताया कि दोनों समझौते एक साथ लागू किए जा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत और ब्रिटेन ने 24 जुलाई, 2025 को वृहद आर्थिक और व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत भारत के 99 फीसदी उत्पाद यूके में बिना शुल्क के भेजे जा सकेंगे, जबकि भारत में ब्रिटेन से आने वाली कारों और व्हिस्की पर कम शुल्क लगेगा।

संविदा कर्मचारियों के समक्ष रोजगार की समस्या आआपा की वजह से : भाजपा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार का भर्ती नियमों का पालन नहीं करने की वजह आज संविदा कर्मचारियों के समक्ष रोजगार समस्या है। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने अपने सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं को सरकारी नौकरियों में भर्ती करने के चक्कर में हजारों लोगों को बिना प्रशासनिक नियमों का पालन किए बस मार्शल से लेकर स्वास्थ्य कर्मी के रूप में संविदा नौकरियों पर भर्ती कर लिया और जांच शुरू होते ही अपने ही शासनकाल में खुद अरविंद केजरीवाल ने इन्हें बर्खास्त कर दिया था। प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि खुद नियमों की अवहेलना कर संविदा नौकरियां बांटने वाली और फिर जांच के डर से उन्हें बर्खास्त किया। आआपा अब जब विपक्ष में है, तो संविदा कर्मियों के कंधे पर बैठकर उन्हें गुमराह कर अपनी राजनीति चमकाना चाह रही है। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि आआपा के दिल्ली संयोजक सौरभ भारद्वाज अपने सत्ता काल में हजारों युवाओं के जीवन से खिलवाड़ करने के बाद अब उन्हें 1 मार्च को प्रदर्शन के लिए उकसा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सौरभ भारद्वाज दिल्ली के इतिहास के वह पहले बेरोजगार नेता हैं जिनके पास संविदा कर्मियों अथवा जन मुद्दों पर संघर्ष के लिए अपनी पार्टी का कैडर उपलब्ध नहीं है।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने विभिन्न सदन समितियों के सदस्यों को परामर्श जारी किए

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने रविवार को आठवीं विधान सभा की विभिन्न सदन समितियों में कार्यरत सदस्यों को परामर्श जारी करते हुए कहा कि सदन समितियां विधायी निगरानी की सशक्त और कार्यशील आधारशिला हैं। उनकी प्रभावशीलता सदस्यों की गंभीरता, नियमित सहभागिता तथा सामूहिक विवेक और प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। अध्यक्ष ने विभिन्न सदन समितियों में कार्यरत सभी सदस्यों को नियमित उपस्थिति और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। परामर्श में इस बात पर बल दिया गया है कि समितियां शासन, प्रशासनिक कार्यप्रणाली और लोक जवाबदेही से संबंधित विषयों की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अध्यक्ष ने उल्लेख किया कि समितियों में सार्थक सहभागिता संस्थागत कार्यप्रणाली को सुदृढ़ बनाती है तथा यह सुनिश्चित करती है कि अनुशंसाएं व्यापक और सुविचारित हों। अध्यक्ष ने अपने पत्र में आगे रेखांकित किया गया है कि समिति की कार्यवाही के दौरान संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति अक्सर आवश्यक होती है, ताकि वे प्रस्तुतिकरण दे सकें और विचाराधीन विषयों पर प्रासंगिक तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध करा सकें। वरिष्ठता अधिकारियों की सहभागिता से ठोस एवं सारगर्भित चर्चा संभव होती है तथा निर्णय-प्रक्रिया में तेजी आती है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से सभी प्रशासनिक सचिवों को एक परिपत्र जारी कर निर्देश दिया है कि वे विधानसभा सचिवालय द्वारा बुलाए जाने पर सदन समितियों की बैठकों में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। अपरिहार्य परिस्थितियों में, विषय से पूर्णतः अवगत किसी उपयुक्त वरिष्ठ अधिकारी को पूर्व स्वीकृति के साथ नामित किया जा सकता है, ताकि कार्यवाही सुचारू रूप से संचालित हो सके। प्रशासनिक सचिवों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे समितियों द्वारा मांगी गई जानकारी और अभिलेख समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराएं। यह उल्लेखनीय है कि इस विषय पर कार्यपालिका और विधायिका के बीच बेहतर और व्यवस्थित समन्वय सुनिश्चित करने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग पहले भी आवश्यक निर्देश जारी कर चुका है। ये सभी कदम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में समिति प्रणाली की प्रभावशीलता को सुदृढ़ करने तथा विधायिका और कार्यपालिका के बीच समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

वरिष्ठ अधिवक्ता,कवि एवं लेखक मुजाहिद चौधरी को वार्षिक उत्सव में किया गया सम्मानित

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुर/मूंढापांडेः इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राजवीर सिंह व राज्य सूचना आयुक्त उत्तर प्रदेश राजेन्द्र सिंह, सी बी एस सी बोर्ड के निदेशक जितेन्द्र कुमार यादव तथा जिला पंचायत सदस्य मौ.शमी द्वारा एम.जे.पी. इंटर कॉलेज मूंढापांडे के वार्षिकोत्सव समारोह में हसनपुर (अमरोहा) के वरिष्ठ अधिवक्ता, कवि तथा कुशल मंच संचालक मुजाहिद चौधरी को विधिक एवं साहित्यिक सेवाओं तथा कुशल मंच संचालन के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर अपर जिला जज मुरादाबाद शैलेन्द्र वर्मा, सीजेएम वैभव चन्द्रा और उ. प्र. राज्य मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति लखनऊ के सचिव भारत सिंह, भारत सम्मान फाउंडेशन के अध्यक्ष मौ.कय्यूम खां, डॉ सोरन सिंह, अशोक चौधरी,मौ. साबिर, फैजान मुदस्सिर आदि गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में सम्मानित होकर लौटे वरिष्ठ अधिवक्ता मुजाहिद चौधरी ने यह जानकारी दी।

जोगीरमपुरी दरगाह की बाग डोर संभालेगे : मौलाना सैयद शबाब नक़वी

लोक तंत्र की शान : रिपोर्ट (खिजर अहमद) : जोगीरमपुरी दरगाह ए आलिया नफस ए हिन्द की जिम्मेदारी अपनी गहन इल्मी काबिलियत, सैय्यद शाबाब नकवी दीनी सूझ-बूझ और मौलाना खिदमत-ए-खल्क (लोगों की सेवा) के जज़्बे के लिए पूरे देश में जाने जाते हैं। उनकी इस नियुक्ति पर उलेमा-ए-किराम, सामाजिक संगठनों और अकीदतमंदों ने खुशी जताई है। लोगों का मानना है कि मौलाना साहब की क़यादत में दरगाह का प्रशासन और मजबूत होगा, पारदर्शिता बढ़ेगी तथा ज़ायरीन और अकीदतमंदों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। यह फैसला दूरंदेशी कदम माना जा रहा है, जो दरगाह की सेवा और प्रबंधन को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा। यह नियुक्ति हाल ही में हुई है और विभिन्न स्रोतों से इसकी पुष्टि हुई है। उम्मीद है कि मौलाना साहब की अगुवाई में यह ऐतिहासिक दरगाह (जो हज़रत अली (अ.स.) की याद में बनी है) और अधिक समृद्ध एवं एकता का प्रतीक बनेगी। शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी के इस फैसले की सभी तरफ से सराहना हो रही है।

पेड़ से फाँसी लगाकर किशोरी ने दी जान

लोक तंत्र की शान : मिहींपुरवा मोतीपुर/ थाना क्षेत्र के मोतीपुर गांव में कब्रिस्तान में एक किशोरी ने पेड़ से लटक कर जान दे दी हैं। ग्रामीणों की सूचना पर पंहुचे परिजनों ने शव को पेड़ से उतारकर सीएचसी मोतीपुर ले गये जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया सूचना पर पंहुची मोतीपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शनिवार शाम लगभग 8 बजे एक किशोरी का शव पेड़ से लटके होने से गांव में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना 112 नंबर पुलिस को दी गयी। किशोरी की पहचान नगर पंचायत मिहींपुरवा जरही रोड वार्ड नंबर 5 की निवासिनी गुड़िया उम्र 18 वर्ष पुत्री कैलाश सोनी के रूप में हुई। किशोरी ने अज्ञात कारणों से कब्रिस्तान में लगे एक पेड़ से गले में डालने वाले स्टॉल से फांसी लगाकर जान दे दिया देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना परिजनों तथा मोतीपुर पुलिस को भी दी पुलिस जब तक घटनास्थल पर पहुंचती है तब तक परिजन लोगों की मदद से किशोरी के शव को पेड़ से उतारकर सीएचसी मोतीपुर लेकर पहुंच गए। जहां पर डॉक्टरों ने परीक्षण के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची मोतीपुर पुलिस ने पंचायत नामा की कार्रवाई करते हुए मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस दर्दनाक घटना से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

पुरानी रंजिश के चलते मारपीट एक युवक गंभीर रूप से घायल

लोक तंत्र की शान : लहरपुर सीतापुर : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कोदहरा मे पुरानी रंजिश के चलते मार-पीट में एक युवक गंभीर रूप से घायल, पुलिस को दी गई तहरीर, क्षेत्र के ग्राम कोदहरा निवासी रंजीत 35 वर्ष पुत्र छत्रपाल ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि रविवार को वह अपनी पत्नी व बच्चों के साथ दवा लेने जा रहा था तभी रास्ते में विरोधियों ने उसे रोक कर गंदी गंदी गालियां दीं मेरे द्वारा मना करने पर उक्त लोगों द्वारा उसे जमकर मारा पीटा गया जिससे उसके शरीर में काफी चोटें आई हैं, रंजीत ने पुलिस से कार्रवाई किए जाने का मांग की। घटना के संबंध में वरिष्ठ निरीक्षक ऋषभ यादव ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिला है जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

आनुष्ठानिक व्यस्तता में भी मुख्यमंत्री ने जारी रखा जनसेवा अनुष्ठान

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात की और समस्याएं सुनकर अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। रविवार को देवाधिदेव महादेव की आराधना के विशेष पर्व महाशिवरात्रि पर आनुष्ठानिक व्यस्तता में भी उन्होंने जनसेवा का अनुष्ठान जारी रखा। जनता दर्शन में आए लोगों से मुख्यमंत्री ने कहा, 'चिंता मत करें, हर समस्या का समाधान होगा, सबकी भरपूर मदद की जाएगी।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और तत्परता से उसका निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराएं। रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों से कहा कि जो लोग पात्र हैं और किसी कारण से उनका आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाया है, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े।

नगर पंचायत सिरसी में 'नो मैपिंग' नोटिस पर सुनवाई, दोपहर 2 बजे से तहसीलदार ने की कार्यवाही

लोकतंत्र की शान

सिरसी। नगर पंचायत सिरसी में जिन मतदाताओं को "नो मैपिंग" नोटिस जारी किए गए थे, उनकी सुनवाई आज दोपहर 2 बजे से प्रारंभ की गई। सुनवाई की प्रक्रिया तहसीलदार महोदय द्वारा विधिवत रूप से संपन्न कराई जा रही है, जिसमें संबंधित मतदाताओं की आपत्तियाँ और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। प्रशासन की ओर से स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सभी बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र के मतदाताओं तक यह सूचना अनिवार्य रूप से पहुंचाएं, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सुनवाई से वंचित न रह जाए। सुनवाई के दौरान नगर पंचायत के चेयरमैन प्रतिनिधि समर अब्बास भी मौके पर मौजूद रहे और पूरी प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता का अधिकार सुरक्षित रखना प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की त्रुटि को पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से सुधारा जाएगा। प्रशासन द्वारा की जा रही इस पहल को मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नगर पंचायत परिसर में सुनवाई शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से जारी रही।

महाशिवरात्रि पर प्रयागराज में माघ मेले का समापन, 44 दिनों में 22 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। प्रयागराज के पावन संगम तट पर लगे धर्म-कर्म, त्याग और समर्पण के माघ मेले का समापन रविवार को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर हुआ। हर हर महादेव के जयघोष और ऊं नमः शिवाय के मंत्रोच्चार से संगम नगरी गूंज उठी। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी ने रुद्राभिषेक-जलाभिषेक कर प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। काशी विश्वनाथ धाम में पुष्पवर्षा से शिवभक्तों का स्वागत हुआ। देश-विदेश के 63 मंदिरों से आई भेंट को भगवान श्री विश्वेश्वर को अर्पित किया गया।

माघ मेले में 22 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी-प्रयागराज में माघ मेले में महाशिवरात्रि स्नान पर्व पर 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी लगाई। 44 दिन चले माघ मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 22 करोड़ को पार कर गई। ये अब तक किसी भी माघ मेले का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ माघ मेले के आयोजन और तैयारियों पर नजर रखे हुए थे और महाशिवरात्रि पर भी लगातार खबर ले रहे थे।

गोरखपुर में मुख्यमंत्री ने भगवान शिव का किया रुद्राभिषेक-गोरखपुर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री ने अंधियारी बाग स्थित प्राचीन मानसरोवर मंदिर और भरोहिया के पितेश्वरनाथ शिव मंदिर में भी दर्शन, पूजन व दुग्धाभिषेक-जलाभिषेक किया और चराचर जगत के कल्याण की प्रार्थना की।

बम बम भोले की जयकारों के साथ हुआ बाबा का जलाभिषेक

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : रविवार को नगर में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया जहां नगर के शिवाला मंदिर सहित क्षेत्र के विभिन्न शिवालय मंदिरों पर जला अभिषेक सुबह 3:00 बजे से ही प्रारंभ हो गया वही आपको बता दे कि इस बार पुलिस की सक्रियता पहले से भी अधिक रही जिसके चलते क्षेत्र में सभी जगह जलाभिषेक शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुआ, वही बताते चलें कि हसनपुर नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर पर सुबह 3:00 बजे से ही जल चढ़ाने वाले भक्तों की लंबी लाइन नजर आई वहीं बैकुंठ एवं खड़ी कावाडे दोपहर बाद चढ़ाई गई और इस बीच भारी पुलिस ने की मौजूदगी में शांतिपूर्ण रूप से जलाभिषेक किया गया उधर विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने कैंप लगाकर लोगों को प्रसाद का वितरण किया साथ ही पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी द्वारा भी लोगों को प्रसाद का वितरण किया गया, इस संबंध में शिवाला मंदिर प्रबंध कमेटी के प्रबंधक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि इस बार पहले से भी अधिक सुगमता एवं सरलता से सभी लोगों को जलाभिषेक का मौका मिल रहा है पुलिस प्रशासन का विशेष सहयोग के द्वारा वीआईपी कल्चर पर रोक लगाई गई है तथा शांतिपूर्ण रूप से जलाभिषेक संपन्न हुआ, वही मंदिर के पुजारी सतवीर गिरी ने बताया कि भोले बाबा को जल अर्पित करने के साथ यदि कोई मनोकामना लेकर घंटा चढ़ाने की बात बोलता है तो उसकी मनोकामना अवश्य पूरी होती है, इस मौके पर भारी संख्या में श्रद्धालूगढ़ मौजूद रहे ।

चेयरमैन इंजीनियर मुअज़्ज़म की ओर से 2026 हज जायरीनो के लिए हज ट्रेनिंग कैंप का आयोजन

लोक तंत्र की शान , रिपोर्ट(खिजर अहमद)

नजीबाबादः चेयरमैन इंजीनियर मुअज्जम की ओर से वर्ष 2026 हज आज़मीनो के लिए 25वां हज ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया चेयरमैन इंजी.मुअज्जम ने हज ट्रेनिंग कैम्प में आये हज आजमीन को हज अदा करने का तरीका बताया गया। हज ट्रेनिंग कैम्प के समापन पर शहर कि तरक्की और अमनो अमान की दुआ की गई। पिछले 24 सालो कि ख़िदमत की तरह इस साल भी चेयरमैन इंजीनियर मुअज़्ज़म द्वारा आयोजित किए गए हज ट्रेनिंग कैम्प में ज़िले भर से आये हज आज़मीन को एलईडी पर हज की ट्रेनिंग दी गई। साथ ही शहर कि तरक्की और अमनो अमान कि दुआ की गई।निजामत मुफ़्ती जावेद कासमी, फ़ज़ीलत मुफ़्ती जावेद कासमी, मदीने का बयान मास्टर खुर्शीद राईन साहब, उमरा बयान इंजीनियर मुअज़्ज़म, हज के 5 दिन इंजीनियर मुअज़्ज़म, सवाल ओर जवाब मुफ़्ती असरार साहब, दुआ मौलाना असलम साहब, किरात sahal खान, नात मौलाना अतीक उर रहमान। नजीबाबाद कास्मिया इंटर कॉलेज में पिछले 24 सालो की ख़िदमत की तरह इस साल भी चेयरमैन इंजीनियर मुअज्जम की ओर से वर्ष 2026 हज आज़मीनो के लिए 25वां हज ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया। चेयरमैन इंजीनियर मुअज़्ज़म ने हज ट्रेनिंग कैम्प में आये हज आजमीन को एलईडी के माध्यम से हज अदा करने का तरीका बताया। आजमिनो की खिदमत को अंजाम दिया गया। जिस पर जिले भर से आये सभी हज आजमिनो ने चेयरमैन इंजीनियर मुअज़्ज़म व उनके बेटे सहल खान और पूरी टीम को दुआओं से नवाजा।इस मौके पर नगर के लोग आदि मौजूद रहे। जिन्होंने आजमीनों की हज की खिदमात को अंजाम दिया। चेयरमैन इंजीनियर मुअज़्ज़म ओर अब्बास खान, सहल खान की पूरी टीम जिसमें मुफ़्ती मोहम्मद जावेद, मौलाना मोहम्मद असलम, मौलाना मोहम्मद लियाकत, मुफ़्ती असरार अहमद, खुर्शीद अहमद, हाजी अनीस सलमानी, मोहम्मद इमरान, मोहम्मद आसिफ, मौलाना मुख्तार, अनीस अहमद, नसीम अहमद, इनामुल हक, इरशाद अहमद, अनवर अहमद, शानू सैफी, हुसैन रशीद, अदनान अंसारी, इकबाल हिंदुस्तानी, निसार सलमानी, लकी सैफी, अली मुर्तजा, मोहम्मद फरदीन, हाजी रिजवान, मोहम्मद परवेज, इकरार सैयद, निसार अहमद, हाशिम अंसारी, गौरव कुमार, मोहम्मद अनस, सोनू कुमार, दानिश, दानिश अहमद, अनीश, मोहम्मद फराज, मोहम्मद फैसल, मोहम्मद अजीम, नासिर कुरेशी, मोनू कुरैशी, मोहम्मद जाकिर, यूनुस कुरैशी, सम्राट आजाद, भाई जाकिर सिद्दीकी, इमरान अंसारी, वहाब, चिंटू, मोहम्मद मेहताब, अजमल खान, मोहम्मद हनीफ, पवन कुमार, विजय सिंह, मोहम्मद सलीम, मोइन कुरैशी, मोहम्मद कासिम, शमशाद आलम, मिनी, आदि लोग मौजूद रहे।

गजरौला के श्री राम मंदिर में हुआ भोले बाबा का महारूद्राभिषेक

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

गजरौला। महाशिवरात्रि के पर्व पर भरतिया समूह द्वारा निर्मित भव्य श्री राम मंदिर में महारूद्राभिषेक कर सुखशांति एवं विश्व मंगलकामना की गई। रविवार को नगर में हाईवे किनारे मोहल्ला नाईपुरा में स्थित श्री राम मंदिर में महाशिवरात्रि के पर्व पर शिवलिंग पर महारूद्राभिषेक किया गया। भगवान नंदी की पूजा, श्री राम दरबार की भव्य आरती एवं श्रृंगार भी किया गया। पंडित मोहन मिश्रा एवं गोविंद पांडेय ने पूजा अर्चना संपन्न कराई। यहां जुबिलेंट में यूनिट हेड विनोद झा, रंजना झा, निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, जिला उपभोक्ता फोरम में मजिस्ट्रेट अंजु रानी दीक्षित, एचआर हेड पुनीत तिवारी, रितु तिवारी, सुनील ए सिंह, ऋषिपाल सिंह परमार, आरए शर्मा, दिलीप पांडेय, अशोक राय, परशुराम उपाध्याय, संजय सिंह, राजेश पांडेय, राजीव त्रिपाठी आदि भी मौजूद रहे।

एआईएमआईएम का सम्भल में बड़ा दांवः नूर मोहम्मद बने युवा ज़िला अध्यक्ष, संगठन में नई ऊर्जा का संचार

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने सम्भल ज़िले में संगठन को और अधिक मजबूत करने की दिशा में अहम फैसला लेते हुए नूर मोहम्मद को युवा ज़िला अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष जनाब शौकत अली के आदेशानुसार की गई, जिसकी घोषणा पश्चिम ज़ोनल अध्यक्ष (युवा) जनाब एहतेशाम मंसूरी द्वारा की गई। इस अवसर पर सम्भल के चेयरमैन पति एवं एआईएमआईएम के वरिष्ठ नेता जनाब चौधरी मुशीर अली खान का नाम भी प्रमुखता से सामने आया। उन्होंने नूर मोहम्मद की नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा कि यह निर्णय संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश नेतृत्व विशेषकर शौकत अली के मार्गदर्शन में पार्टी लगातार ज़मीनी स्तर पर मजबूत हो रही है। चौधरी मुशीर अली खान ने विश्वास जताया कि नूर मोहम्मद युवाओं को संगठित कर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने इसे सम्भल की राजनीति में युवाओं के लिए एक सकारात्मक संदेश बताया। नवनियुक्त युवा ज़िला अध्यक्ष नूर मोहम्मद ने प्रदेश अध्यक्ष, पश्चिम ज़ोनल अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता चौधरी मुशीर अली खान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की मजबूती और युवाओं के हितों के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। घोषणा के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा गया और इस निर्णय को संगठन विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

महाशिवरात्रि पर निकली भोले बाबा की बारात चेयरमेन ने किया फीता काटकर शुभारंभ

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः रविवार को नगर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री शिव महादेव सेवा समिति हसनपुर के तत्वाधान में भोले बाबा की विशाल बारात निकाली गई, जिसका शुभारंभ पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने फीता काटकर एवं भोले बाबा की आरती उतार कर किया, शोभायात्रा नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर से प्रारंभ होकर पुराना डाकघर, पुरानी घास मंडी, रहरा रोड, शिव मंदिर से जनकपुरी, दलपत साइकिल वालों की दुकान होली चौक से होती हुई वापस शिवाला मंदिर पर जाकर संपन्न हुई, इस बीच शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर एवं जलपान कराकर स्वागत किया गया वहीं शोभायात्रा में राम दरबार की झांकी, भगवान शिव की अघोरी बारात ने सभी नगर वासियों का मन मोह लिया, वहीं मोहल्ला होली चौक में भगवान शिव पार्वती की वरमाला का भव्य आयोजन किया गया, इस बार शोभायात्रा में भोले बाबा की उज्जैन की महा आरती विशेष आकर्षण का केंद्र रही, उधर सुरक्षा की दृष्टि से भारी पुलिस बल मौजूद रहा एवं नगर पालिका द्वारा शोभायात्रा के मार्ग पर विशेष सफाई व्यवस्था कराई गई, इस मौके पर श्री शिव महादेव सेवा समिति के अध्यक्ष सर्वेश ठाकुर, रवि शंकर सैनी, राजेंद्र यादव, मंकू सक्सेना, नरेश ठाकुर, मनोज यादव, महेश यादव आदि सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु गण मौजूद रहे ।

संक्षिप्त समाचार

टी20 वर्ल्डकप-पटना में इंडिया की जीत के लिए पूजा, पोस्टर में खिलाड़ियों को महादेव दिखाकर आरती उतारी

लोकतंत्र की शान : पटना। टी-20 वर्ल्ड कप में आज भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला है। मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। पटना में टीम इंडिया की जीत की कामना को लेकर विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है। कई जगहों पर हवन और आरती का आयोजन किया गया है। भारतीय खिलाड़ियों के पोस्टर लगाकर उन्हें महादेव के रूप में दर्शाया गया है और उनकी आरती उतारी गई। पूजा के दौरान क्रिकेट प्रेमियों ने भारत की जीत की कामना की। जमुई में खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर टीम इंडिया को शुभकामनाएं दीं हैं। उन्होंने कहा कि, यह मैच केवल खेल नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं से जुड़ा मुकाबला है। मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय टीम शानदार प्रदर्शन करेगी।' खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने खास तौर पर बिहार के लाल ईशान किशन का जिक्र करते हुए गर्व से कहा, "एक बिहारी सब पर भारी।" उन्होंने कहा कि ईशान किशन ने अपने प्रदर्शन से न सिर्फ बिहार, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। इसके साथ ही उन्होंने अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी की भी जमकर सराहना की। उन्होंने बताया कि वैभव से बातचीत चल रही है और जल्द ही उन्हें बिहार बुलाकर सम्मानित किया जाएगा। श्रेयसी सिंह ने कहा कि, राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और बिहार के खिलाड़ियों को हर संभव मंच और सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे खेल को अपनाएं और अनुशासन व परिश्रम के बल पर अपने सपनों को साकार करें।'

बिहार में 20 फरवरी तक ठंड हो सकती है खत्म, तापमान में मामूली होगा उतार-चढ़ाव

लोकतंत्र की शान : पटना। बिहार में बीते कुछ दिनों में तापमान में बढ़ोतरी हुई है। यही कारण है कि धीरे-धीरे ठंड का असर खत्म होने लगा है। फिलहाल सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस हो रही है, लेकिन दिन चढ़ने के साथ मौसम गर्म हो रहा। फिलहाल राज्य के किसी भी जिले के लिए बारिश, कड़ाके की ठंड और कोहरे को लेकर कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम विभाग के अनुसार 20 फरवरी तक बिहार में ठंड पूरी तरह से खत्म हो सकती है। मौसम विभाग ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में राज्य के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में करीब 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आने वाले दिनों में तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव जरूर हो सकता है, लेकिन ठंड के दोबारा बढ़ने की संभावना बेहद कम है। मौसम विभाग के अनुसार आज भी मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है। किसी बड़े मौसम बदलाव के संकेत नहीं मिल रहे हैं। हिमालय क्षेत्र में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है। हालांकि इस सिस्टम का असर बिहार के मौसम पर बहुत ज्यादा पड़ने की संभावना नहीं है। इसका मतलब है कि राज्य में मौसम सामान्य बना रह सकता है। दोबार ठंड बढ़ने की संभावना न के बराबर है। पांच दिनों तक आसमान साफ रहेगा, बादल नहीं रहेंगे। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि फरवरी के आखिरी सप्ताह तक गर्मी बढ़ेगी।

'शादी की है तो 100 करोड़ की डिमांड भी कम', पवन सिंह की पत्नी के सपोर्ट में आईं एक्ट्रेस अक्षरा

लोकतंत्र की शान : पटना। भोजपुर स्टार पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह के बीच तलाक का केस चल रहा है। ज्योति सिंह ने कहा है कि पवन मेरे साथ नहीं रहना चाहते हैं तो मुझे 10 करोड़ रुपए मेंटेनेंस के रूप में दें। इस मामले में अब भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अक्षरा सिंह का कहना है कि कोई अगर शादी करता है तो उसको जिम्मेदारी निभानी चाहिए। जो डिमांड है उसे पूरा करना चाहिए। चाहे वो रुपए को लेकर ही क्यों न हो। आपका दायित्व है 10 करोड़, 20 करोड़ या फिर 100 करोड़ भी मांगे तो देना चाहिए। अक्षरा सिंह ने ये बातें पटना एयरपोर्ट पर कहीं है। अक्षरा सिंह ने जेजेडी के चीफ और लालू यादव के बेटे तेजप्रताप को क्यूट इंसान कहा। अक्षरा सिंह ने इससे पहले भी ज्योति सिंह का सपोर्ट किया था। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान ज्योति सिंह काराकाट से निर्दलीय चुनाव लड़ीं थी। इस दौरान अक्षरा ने कहा था कि, अच्छी बात है कि ज्योति सिंह चुनाव लड़ रही हैं। एक महिला होकर मैं बहुत ही ज्यादा अच्छा चाहती हूं। आज वो जो कुछ भी कर रही हैं अपने बलबूते कर रही हैं। कोई किसी कि जर्नी नहीं देखने गया है। कौन किस पड़ाव से गुजर रहा है और अपने जीवन में किस तरीके से जूझ रहा है। यह आप और हम तय नहीं कर सकते और ना हमें आकलन करने का हक है।

वैशाली में नीलगाय ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, 5 यात्री घायल, गर्भवती महिला भी शामिल

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर प्रखंड क्षेत्र के इस्माइलपुर गांव में एक नीलगाय ने सड़क पर जा रहे ई-रिक्शा (टोटो) को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे उसमें सवार पांच यात्री घायल हो गए। यात्रियों के अनुसार, ई-रिक्शा हाजीपुर से बिदुपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान अचानक सड़क किनारे से एक नीलगाय सामने आ गई और उसने सीधे ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चालक का संतुलन बिगड़ गया और वाहन सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से पलटे हुए टोटो में फंसे सभी पांच यात्रियों को बाहर निकाला। बताया गया कि सभी यात्री स्थानीय निवासी थे। घायलों में एक गर्भवती महिला भी शामिल है। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, इस क्षेत्र में इन दिनों नीलगायों का आतंक बढ़ गया है। ये जानवर अक्सर सड़कों पर आ जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है।

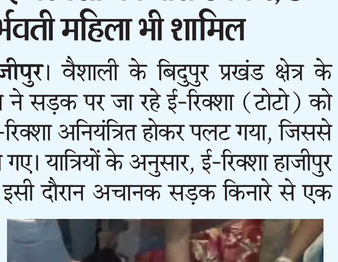

हाजीपुर में विदेशी शराब से भरा ट्रक जब्त, 2 गिरफ्तार औद्योगिक क्षेत्र से 800 लीटर दारू बरामद

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र में पुलिस ने एक ट्रक से भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की है। इस मामले में पुलिस ने ट्रक चालक और खलासी को गिरफ्तार किया है। बरामद शराब की मात्रा लगभग 800 लीटर बताई जा रही है। औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि औद्योगिक क्षेत्र स्थित कोलू फैक्ट्री के पास एक ट्रक में शराब लाई गई है। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और ट्रक को पकड़ा। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले के मऊ दरवाजा कोबरपुर घाट निवासी अशोक कुमार (पुत्र रामप्रकाश यादव) और सुखबीर कुमार (पुत्र रामनरेश) के रूप में हुई है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे हरियाणा से अंग्रेजी शराब लेकर हाजीपुर आए थे और यहां डिलीवरी देने का इंतजार कर रहे थे। औद्योगिक क्षेत्र थाना अध्यक्ष अरविंद पासवान ने इस जानकारी की पुष्टि की।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक के शताब्दी वर्ष पर भव्य विराट हिंदू सम्मेलन

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर वार्ड संख्या एक टीवी टावर के समीप स्थित मैदान में महानंदा उपनगर द्वारा भव्य विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। व्यवस्था प्रमुख जितेंद्र मंडल की अध्यक्षता में संपन्न इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। सम्मेलन के दौरान मंचासीन मुख्य वक्ता संघ चालक गोविंद शर्मा, बालाजी मिश्रा,सुमन झा,अनीश सिंह जगदीश प्रसाद सहित अन्य वक्ताओं ने भारत की प्राचीन हिंदू सभ्यता और संस्कृति की महत्ता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति ने सदियों से विश्व को एकता,समरसता और "वसुधैव कुटुंबकम" का संदेश दिया है।शताब्दी वर्ष को संगठन के विस्तार और समाज को संस्कारित करने के संकल्प के रूप में मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में स्मृति ईरानी,अदिति राज,नेहा कुमारी,सागर शिवम,अजय कुमार, राजवीर,आशीष कुमार,श्रीमन ,सहित अन्य बच्चों ने देशभक्ति,लोकगीत गीतों और संगीत की मनमोहन प्रस्तुति देकर माहौल को उत्साह से भर दिया। "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम्" के नारों से पूरा मैदान गूंज उठा। वही मंच संचालन रंजीता कुमारी ने किया। आयोजकों के अनुसार यह सम्मेलन समाज में सांस्कृतिक चेतना और संगठन की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम हर्षोल्लास और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।कार्यक्रम को सफल बनाने में सत्यदेव ठाकुर,दिनेश झा ,संजय विद्यार्थी, राजेंद्र विश्वास, फुलेश्वर यादव जी,रविकांतजी, महावीर विश्वास,दीनानाथ पाठक, अवधेश कुमार ,रघुवंश ठाकुर, सहित संगठन से जुड़े अन्य सदस्यों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तेज रफ्तार का कहरः ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को रौंदा-एक की हालत गंभीर

लोकतंत्र की शान,सुमन सिंह (ब्यूरो चीफ) कटिहार

कटिहार जिले के आजमनगर थाना क्षेत्र के महेशपुर माराडांगी गांव में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बिहार-बंगाल को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर,महेशपुर शीतलमनी के पास,एक 18 चक्का ट्रक ने बाइक सवार 22 वर्षीय इरशाद और 23 वर्षीय मशलेख को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर बुरी तरह जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें आजमनगर अस्पताल पहुंचाया जहां से गंभीर हालत में कटिहार रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार इरशाद की हालत नाजुक है। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रक को रोक लिया और चालक पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया। आजमनगर पुलिस मौके पर पहुंची, स्थिति संभाली और ट्रक को जब्त कर लिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस सड़क पर ओवरलोड गाड़ियां हादसों का कारण बनती हैं और उन्होंने प्रशासन से इस पर रोक लगाने की मांग की है।

अवैध पशु तस्करी के खिलाफ सेमापुर पुलिस की बड़ी कारवाईः12 मवेशी और 3 तस्कर गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहार जलि में अवैध पशु तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सेमापुर पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने लक्ष्मीपुर ढाला के पास से दो पिकअप वैन में क्रूरतापूर्वक ले जाए जा रहे 12 मवेशियों को बरामद किया है। इस दौरान तीन पशु तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस कप्तान शिखर चौधरी के निर्देश पर पूरे जिले में अवैध पशु तस्करी के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सेमापुर थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली कि दो पिकअप में अवैध रूप से पशुधन का परिवहन करते हुए लक्ष्मीपुर ढाला की ओर जा रही हैं। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लक्ष्मीपुर ढाला पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान पुलिस को देखकर पिकअप चालक भागने का प्रयास करने लगे,लेकिन पुलिस बल ने उन्हें खदेड़कर पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान मो०आलम(45)मो० शमसेरअली(60)और मो० सउद आलम (35)वर्ष के रूप में हुई है,ये सभी कटिहार जिले के सेमापुर थाना क्षेत्र के निवासी हैं।पुलिस ने बताया कि पिकअप वैन की तलाशी के दौरान कुल 12 मवेशी बरामद किए गए, जिन्हें बेहद अमानवीय तरीके से ले जाया जा रहा था। इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दो दोस्तों पर बरसाई गोलियां, दोनों की हालत गंभीर, स्कॉर्पियो सवार बदमाश मौके से फरार

लोकतंत्र की शान, पटना

महाशिवरात्रि के दिन पटना में गोलीबारी की घटना सामने आई है। रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के शिवाजी चौक के पास अज्ञात अपराधियों ने दो युवकों को दिनदहाड़े गोली मार दी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।। आसपास मौजूद लोगों ने इसकी सूचना फौरन पुलिस को दी। इसके बाद दोनों घायलों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बाइक सवारों ने दोनों दोस्तों को मारी गोलीः जानकारी के अनुसार, बिट्टू कुमार 24 साल और पिंटू कुमार 25 वर्ष नामक ये दोनों दोस्त चाय पीने आए थे, तभी बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया। घटना की सूचना मिलते ही रामकृष्ण नगर थाने की पुलिस और सदर एसडीपीओ-2 मौके पर पहुंचे। सदर डीएसपी-2 रंजन कुमार ने बताया कि, 'बाइक सवार 2 अपराधी पहुंचे और स्कॉर्पियो सवार दोस्त पिंटू कुमार, बिट्टू कुमार पर गोलीबारी कर दी। फिर दोनों अपराधी मौके से फरार हो गए। गोली लगते ही दोनों युवक गंभीर रूप घायल हो गए। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल को फौरन नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। घटनास्थल से पुलिस को गोली का खोखा नहीं मिला है।'

सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही पुलिसः रामकृष्ण नगर थाना प्रभारी ने बताया कि, पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश या अन्य संभावित कारणों की पड़ताल की जा रही है। इलाके में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि, गोली मारने वाले अपराधी की पहचान अरमान और कारू के रूप में हुई है। एक साल पहले दोनों के बीच आपसी विवाद हुआ था और इसी विवाद के परिणाम स्वरुप रविवार को गोलीबारी की घटना हुई है।

राजद ने रामविलास पासवान को बेचारा कहा, लोजपा का प्रदर्शन, तेजस्वी यादव का किया पुतला दहन

लोकतंत्र की शान, पटना

लोजपा रामविलास ने आज पटना के कारगिल चौक पर तेजस्वी यादव का पुतला दहन किया। गन्ना उद्योग मंत्री संजय पासवान के नेतृत्व में नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में पार्टी के कई पदाधिकारी, महिला कार्यकर्ता भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। उनसे सार्वजनिक माफी की मांग की गई।

एलजेपी (रामविलास) के नेताओं का आरोप है कि इस टिप्पणी से न केवल एक वरिष्ठ नेता का अपमान हुआ, बल्कि दलित समाज की भावनाएं भी आहत हुई हैं। उनका कहना है कि रामविलास पासवान ने अपने राजनीतिक जीवन में हर वर्ग, खासकर वंचित और दलित समाज के लिए लंबा संघर्ष किया था, ऐसे में उन्हें "बेचारा" कहना उनकी राजनीतिक विरासत को छोटा करने की कोशिश है।

दलित समाज का अपमान बर्दाश्त नहीं- चंदन यादवः पटना जिलाध्यक्ष चंदन यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव और उनके विधायक लगातार मर्यादा की सीमाएं लांघ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सदन जैसे गंभीर मंच पर इस प्रकार की भाषा का प्रयोग करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि रामविलास पासवान जी हमारे पूजनीय नेता थे। उन्हें छोटे शब्दों में बांधने की कोशिश पूरे दलित समाज का अपमान है। नेता प्रतिपक्ष को इस पर स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए।

माफी तक जारी रहेगा आंदोलन- सोनम पासवानः महिला कार्यकर्ता सोनम पासवान ने कहा कि विधानसभा में जिस तरह से टिप्पणी की गई, वह केवल राजनीतिक बयान नहीं बल्कि भावनात्मक चोट है। रामविलास पासवान जी कोई छोटे

विधानसभा में तेजस्वी के विधायक ने की थी टिप्पणी

नेता नहीं थे। वे दूरदर्शी, संघर्षशील और सर्वमान्य व्यक्तित्व थे। जब तक तेजस्वी यादव और संबंधित विधायक सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते, हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

क्या है पूरा विवाद?: विवाद की शुरुआत हाल ही में बिहार विधानसभा के सत्र के दौरान हुई बहस से जुड़ी है। सदन में चर्चा के दौरान गया के विधायक कुमार सर्वजीत ने लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक और दिवंगत केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान का जिक्र करते हुए कथित तौर पर "बेचारा" शब्द का इस्तेमाल किया। इसके विरोध में यह लोग प्रदर्शन कर रहे हैं।

कटिहार में बड़ी कार्रवाईः49.650लीटर शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह (ब्यूरो चीफ) कटिहार

कटिहार मद्य निषेध टीम को मिली गुप्त सूचना के आधार पर नगर थाना क्षेत्र के संग्राम चौक जिसे ड्राइवर टोला के नाम से भी जाना जाता है।टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देने के दौरान दो अभियुक्तों की गिरफ्तार किया। जिनकी पहचान दीपक जायसवाल और विकाश झा के रूप में हुई है। इनके पास से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की गई है। बरामदगी में पश्चिम बंगाल निर्मित 24.000 लीटर देशी शराब और 25.650 लीटर विदेशी शराब शामिल है।कुल मिलाकर,टीम ने 49.650 लीटर अवैध शराब जब्त की है।यह सफलता कटिहार में अवैध शराब के खिलाफ चल रहे अभियान की एक और कड़ी है। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव, महिला कॉलेजों में भीड़ लगाने पर उम्मीदवारी होगी रद्द

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ के चुनाव प्रचार के दौरान महिला कॉलेजों में भीड़ लगाने पर उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी। इसकी जानकारी मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. शंकर कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि महिला कॉलेजों या अन्य संस्थानों में भीड़ या पैनिक की स्थिति होने पर प्रत्याशी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा पोस्टर, होर्डिंग और प्रतिबंधित प्रचार माध्यमों पर रोक रहेगी। पोलिंग बूथों की भी संख्या बढ़ाकर 41 कर दी गई है।

5 समर्थकों के साथ कैंडिडेट करेंगे कैपेनिंगः चुनाव प्रत्याशियों की अंतिम लिस्ट 21 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी। प्रो शंकर कुमार की तरफ से जारी आदेश के अनुसार 21 से 26 फरवरी की शाम 5 बजे तक प्रत्याशी चुनाव प्रचार कर सकते हैं। सभी प्रत्याशी ज्यादा से ज्यादा 5 समर्थकों के साथ यूनिवर्सिटी के अलग-अलग संस्थानों में प्रचार-प्रसार कर सकेंगे। इस दौरान सभी को आईडी कार्ड साथ रखना अनिवार्य होगा। छात्र संघ चुनाव में किसी असमाजिक तत्वों का प्रवेश ना हो इसे लेकर एक नियम लागू किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी कॉलेजों को निर्देशित किया है कि चुनाव संपन्न होते तक किसी बाहरी व्यक्ति को कैंपस में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

पिता के ड्रीम प्रोजेक्ट का निरीक्षण करने पहुंचे निशांत, नंगे पैर बोधगया भ्रमण कर दिखाई आस्था

लोकतंत्र की शान , पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के राजनीति में आने की चर्चा इन दिनों तेज हो गई है। इसी बीच उनका गया दौरा काफी चर्चा में रहा। दौरे के दौरान उन्होंने अपने पिता के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल गंगा जल आपूर्ति योजना के तहत टेटर जलाशय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से परियोजना की प्रगति, संचालन और जल आपूर्ति व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि गंगा का पानी पाइपलाइन के जरिए जलाशयों और जल शोधन संयंत्रों तक लाया जाता है, जहां इसे शुद्ध कर लोगों को पेयजल के रूप में उपलब्ध कराया जाता है।

दशरथ मांझी को श्रद्धांजलि, संघर्ष को किया नमनः गया दौरे के दौरान वे दशरथ मांझी मेमोरियल भी पहुंचे। वहां उन्होंने दशरथ मांझी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने मांझी के बेटे से आशीर्वाद लिया और परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। इसके बाद वे उस ऐतिहासिक पहाड़ पर भी गए, जिसे मांझी ने 22 वर्षों तक अपने हाथों से काटकर रास्ता बनाया था। निशांत ने मांझी के अद्भुत दृढ़ संकल्प और अपनी पत्नी के प्रति उनके प्रेम को नमन करते हुए उनके संघर्ष को सलाम किया।

नंगे पांव बोधगया भ्रमण, दिखाई आध्यात्मिक आस्थाः दौरे के दौरान वे बोधगया पहुंचे, जहां उन्होंने नंगे पांव भ्रमण कर अपनी आध्यात्मिक आस्था की मिसाल पेश की। उन्होंने महाबोधि मंदिर में ध्यान लगाया और भगवान बुद्ध के जीवन, उपदेशों और मध्यम मार्ग के सिद्धांतों को समझा। इस दौरान उन्होंने "अप्प दीपो भव" के संदेश के महत्व को भी जाना।

बुद्ध के जीवन दर्शन और ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमणः भ्रमण के दौरान उन्होंने जाना कि किस प्रकार सिद्धार्थ गौतम ने मानव जीवन के दुःखों के कारणों को समझने के लिए ज्ञान मार्ग अपनाया और कठोर तपस्या के बाद मध्यम मार्ग का अनुसरण करते हुए बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने बोधि वृक्ष के नीचे ध्यान किया, विदेश से आए पर्यटकों से मुलाकात की और बुद्ध से जुड़ी पुस्तकों का अध्ययन किया।

80 फीट बुद्ध प्रतिमा स्थल भी गए निशांतः इसके अलावा वे शयन मुद्रा बुद्ध और 80 फीट बुद्ध प्रतिमा स्थल भी गए। पूरे दौरे की सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने पूरे बोधगया क्षेत्र का भ्रमण नंगे पांव किया, जो उनकी गहरी आस्था और आध्यात्मिक झुकाव को दर्शाता है।

संक्षिप्त समाचार

अलवर में महाशिवरात्रि पर गूंजे बम भोले के जयकारे, शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

लोकतंत्र की शान : अलवर। महाशिवरात्रि के अवसर पर अलवर जिले के शिव मंदिरों में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ रही। विभिन्न मंदिरों में दर्शन के लिए लंबी कतारें देखी गईं। प्रशासन और मंदिर समितियों की ओर से सुरक्षा और व्यवस्था के विशेष प्रबंध किए गए हैं। शहर के प्राचीन त्रिपोलिया महादेव मंदिर में सुबह 5 बजे से ही श्रद्धालुओं की लाइन लगनी शुरू हो गई। दूर-दराज से आए श्रद्धालु दर्शन के लिए कतार में लगे रहे। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। शाम को विशेष श्रृंगार का कार्यक्रम प्रस्तावित है। जिले के अन्य शिवालयों में भी दिनभर पूजा-अर्चना जारी रही। श्रद्धालु जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और बेलपत्र अर्पित कर पूजा कर रहे हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग और पुलिस व्यवस्था की गई है। महाशिवरात्रि पर नीलकंठ महादेव मंदिर, नलदेश्वर महादेव मंदिर, भर्तहरि शिव मंदिर तथा तालवृक्ष स्थित शिव मंदिर में भी सुबह से श्रद्धालुओं की आवाजाही रही। कई श्रद्धालु व्रत रखकर रात्रि जागरण और भजन-कीर्तन में भाग ले रहे हैं।

महाशिवरात्रि मेले का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

लोकतंत्र की शान : खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को उधमसिंहनगर जिले के खटीमा के वनखंडी महादेव मंदिर, चकरपुर में आयोजित महाशिवरात्रि मेले का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदेशवासियों एवं श्रद्धालुओं को महाशिवरात्रि की बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री धामी ने फीता काटकर मेले का शुभारंभ करने से पहले मंदिर में शिवलिंग का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-शांति, समृद्धि और उन्नति की कामना की। उन्होंने कहा कि वनखंडी महादेव मंदिर में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना बनाकर मंदिर क्षेत्र का समुचित विकास किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश जोशी, गंभीर सिंह धामी, गोपाल सिंह बिष्ट, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति सहित मंदिर समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने महाशिवरात्रि पर किया भगवान शिव का जलाभिषेक

लोकतंत्र की शान : जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को सपत्नीक महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री निवास स्थित मां राजराजेश्वरी मंदिर में ब कर प्रदेश की खुशहाली एवं प्रगति की कामना की। शर्मा ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया तथा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा कर आरती उतारी। इस दौरान मुख्यमंत्री निवास पर नियोजित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने महाशिवरात्रि पर शिवोऽहम् कार्यक्रम में भगवान शिव का अभिषेक कर पूजा:अर्चना की

लोकतंत्र की शान : जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को महाशिवरात्रि पर प्रज्ञा प्रवाह एवं युवा साथी संगठन द्वारा आयोजित "शिवोऽहम्' कार्यक्रम में भगवान शिव को स्मरण करते हुए सभी के मंगल की प्रार्थना की। राज्यपाल बागडे ने इस दौरान भगवान शिव का अभिषेक करते हुए उनकी विधिवत पूजा अर्चना की। उन्होंने बाद में कहा कि महाशिवरात्रि भगवान शिव का पावन पर्व है। शिव कल्याण और मंगल से जुड़े हैं। उनका स्मरण ही हमें सर्व—कल्याण और शुभ के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने भगवान शिव से राष्ट्र की समृद्धि और संपन्नता के साथ सबकी खुशहाली की कामना की। राज्यपाल ने महाशिवरात्रि को भगवान शिव की साधना से जुड़ा पर्व बताते हुए कहा कि यह ध्यान, समर्पण और आंतरिक जागृति से जुड़ी हमारी संस्कृति का पावन उत्सव है। उन्होंने कहा कि शिव की अर्चना का अर्थ है, सबके कल्याण की कामना। राज्यपाल ने कार्यक्रम में शिव पूजा संग वहां आयोजित अनुष्ठान में भी भाग लिया ।

जींद : सुरक्षा और सतर्कता को लेकर पुलिस ने किया सरपंचों के साथ मंथन

लोकतंत्र की शान : जींद। थाना सदर दनौदा पुलिस चौकी में नरवाना इलाके में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा अपराधों की रोकथाम को लेकर रविवार को मंथन हुआ। सदर थाना प्रभारी रामकुमार ने सरपंचों के साथ बैठक की। बैठक में उप निरीक्षक राजेश कुमार, गांव दनौदा की सरपंच किताबो देवी, गांव दनौदा खुर्द के सरपंच जितेंद्र सिंह, गांव जाजनवाला के सरपंच जनक गांव कलोदा खुर्द के सरपंच कुलदीप सिंह, गांव सैंथली के सरपंच जयप्रकाश, गांव भिखेवाला के सरपंच मोनू, गांव सच्चाखेड़ा के सरपंच सुखदेव सिंह मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधों की रोकथाम के लिए सामुदायिक सहयोग का मजबूत होना बहुत जरूरी है। चोरी की घटनाएं हो रही हैं व अन्य अपराध हो रहे हैं। ऐसी घटनाओ पर रोक लगाने के लिए गांवों में अधिक से अधिक सीसी टीवी कैमरे लगवाए जाने चाहिए। गांव स्तर पर रात्रि सुरक्षा के लिए ठिकरी पहरा लगाने के लिए कहा गया। उन्होंने रात्रि गश्त नियमित रूप से लगाने के लिए भी प्रेरित किया ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस और ग्रामीण समाज के संयुक्त प्रयासों से ही अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। उन्होंने सरपंचों से अपील की वे गांवों में जागरूकता बैठकें करें। युवाओं को नशे से दूर रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए प्रेरित करें।

स्वामी भीष्म लाइब्रेरी के लगभग 25 पाठको का हो चुका है सरकारी नौकरी में चयन

» आर्मी ऑर्डनेंस कॉर्प्स सेंटर में ट्रेड्समैन मेट्स के पद पर चयनित अंकित कुमार गगसीना ने लाइब्रेरी पाठकों को मिठाई खिलाकर बांटी खुशी

लोकतंत्र की शान

घरौंडा, (जगदीप)। घरौंडा स्वामी भीष्म लाइब्रेरी में 25 से अधिक पाठकों का विभिन्न सरकारी विभागों में चयन हुआ।लाइब्रेरी के पाठक अंकित कुमार गगसीना का आर्मी ऑर्डनेंस कॉर्प्स सेंटर में ट्रेड्समैन मेट्स के पद पर लेह लद्धाख में चयन हुआ।शनिवार को अंकित मिठाई लेकर स्वामी भीष्म लाइब्रेरी में पहुंचा जहां पर लाइब्रेरियन संदीप लोहट ने अंकित को मिठाई खिलाकर सरकारी जॉब में चयनित होने पर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। लाइब्रेरियन सन्दीप लोहट ने बताया कि नगर पालिका सचिव रवि प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में लाइब्रेरी का संचालन किया जा रहा है जहां पर दर्जनों गांव के लगभग 80से 85 युवा हरोज लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए आते हैं। लाइब्रेरी में अभी तक 25 से अधिक पाठकों का विभिन्न सरकारी विभागों में चयन हो चुका है।लाइब्रेरी में पाठकों की आवश्कताओं को ध्यान में रखते हुए समय समय पर कई प्रतियोगिता भी कराई जा रही हैं जिससे लाइब्रेरी में प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वालें पाठकों को स्वयं का मूल्यांकन करने में सहायता होती है। अंकित कुमार ने बताया कि वह कई सालों से घरौंडा की स्वामी भीष्म लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां कर रहा था आज मेरी मेहनत रंग लाई और मेरा चयन आर्मी में हो गया।उन्होंने बताया कि लाइब्रेरी का वातावरण शांत रहता है सभी पाठक मन लगा कर तैयारी करते हैं।लाइब्रेरी में समय समय पर मोटिवेशनल कार्यक्रम भी होते रहते हैं जिनसे पाठकों का उत्साह बढ़ता है व तैयारी करने का मार्गदर्शन मिलता है। सरकार व विधायक हरविंद्र कल्याण का धन्यवाद करते हुए कहा की इनके प्रयास से घरौंडा में बहुत ही सुंदर लाइब्रेरी बनाई है। जिसमें आसपास के युवा अपनी तैयारी के लिए आते हैं। उन्होंने लाइब्रेरी पाठकों की ओर से लाइब्रेरी में सुव्यवस्था के लिए लाइब्रेरी स्टाफ व नगर पालिका की पूरी टीम का धन्यवाद भी किया।

रिश्तेदार ही निकला चोरी का मास्टरमाइंड

4 लाख से अधिक के जेवरात बरामद

लोकतंत्र की शान

सीधी। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी चुरहट रवि प्रकाश कोल के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी कमर्जी के नेतृत्व में थाना कमर्जी पुलिस ने चोरी के प्रकरण का सूचना प्राप्ति के मात्र 12 घंटे के भीतर पर्दाफाश कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। पुलिस के अनुसार फरियादी कल्पना सिंह निवासी ग्राम कारीमाटी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 5 जनवरी 2026 को वह अपने पुत्र के साथ मायके चली गई थीं। दिनांक 4 फरवरी 2026 को वापस आने पर घर के बक्से में रखे सोने-चांदी के जेवरात गायब मिले। घर सूना होने का फायदा उठाकर आरोपी द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(1) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर त्वरित विवेचना की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी लवकेश सिंह ने अपराध स्वीकार किया। पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात,

नगदी एवं 3 मोबाइल फोन सहित कुल कीमती लगभग 4 लाख रुपये का मशरूका बरामद किया गया। मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। अन्य संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की जांच जारी है। उक्त कार्रवाई में कार्यवाहक थाना प्रभारी सउनि मनोज वर्मा, सउनि केसरी प्रसाद पाण्डेय, प्रआर अमर सिंह परिहार, आरक्षक शुभम सिंह एवं महिला आरक्षक सुनीता पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने उठाई पत्रकारों के हक की आवाज़

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

बुरहानपुर :- शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आगमन हुआ मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रोड शो किया और उसके बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 696 करोड रुपए की विकास कार्य का भूमि पूजन किया मुख्यमंत्री मोहन यादव का बुरहानपुर आगमन पर 'इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन' के जिला अध्यक्ष शकील खान ने नेहरू स्टेडियम पर मुख्यमंत्री मोहन यादव क़े कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री से पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात की इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को एक औपचारिक ज्ञापन सौंपकर पत्रकारों के कल्याण और सुरक्षा से जुड़ी पांच सूत्रीय मांगों पर त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया। एसोसिएशन ने ज्ञापन के माध्यम से स्पष्ट किया कि पत्रकार शासन और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका अहम है, इसलिए उनकी सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व है।

पत्रकारों के हित में पाँच प्रमुख माँगें-एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष शकील खान द्वारा सौंपे गए पत्र में निम्नलिखित महत्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित किया गया है पत्रकारों के लिए एक समर्पित पत्रकार कॉलोनी विकसित की जाए और उन्हें कम दरों पर आवास उपलब्ध कराया जाए। लाडली बहना योजना' की तर्ज पर पत्रकारों को भी हर महीने 15,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए पत्रकारों और उनके परिवारों को निजी अस्पतालों में निःशुल्क इलाज (कैशलेस उपचार) की सुविधा प्रदान की जाए पत्रकारों के विरुद्ध होने वाली हिंसा और बाधाओं को रोकने के लिए प्रदेश में विशेष 'पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किया जाए पत्रकारों को डराने-धमकाने या उन पर झूठे आरोप लगाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए

कांग्रेस के नवनियुक्त ब्लॉक एवं नगर अध्यक्षों का पदभार ग्रहण एवं सम्मान समारोह संपन्न

» प्रथम बैठक में संगठन सुदृढ़ीकरण, ग्राम पंचायत व वार्ड कमेटी गठन पर दिया जोर

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिला कांग्रेस कमेटी सीधी द्वारा कांग्रेस कार्यालय जवाहर भवन में जिले के नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों एवं नगर अध्यक्षों के पदभार ग्रहण कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठनात्मक एकता, अनुशासन और सक्रिय जनसंपर्क को प्राथमिकता देने का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त अध्यक्षों ने औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। इसके उपरांत आयोजित बैठक में ग्राम पंचायत कमेटी एवं वार्ड कमेटी के गठन, संगठनात्मक गतिविधियों के विस्तार, जनसंपर्क अभियान को तेज करने तथा संगठन की कार्यकुशलता बढ़ाने पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में आगामी रणनीति तय करते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस की असली ताकत है। उन्होंने कहा, ब्लॉक और नगर स्तर पर सक्रिय एवं जिम्मेदार नेतृत्व से ही कांग्रेस का जनाधार और अधिक मजबूत होगा। हमें गांव-गांव, वार्ड-वार्ड तक पहुंचकर आम जनता की समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए संघर्ष करना है। ग्राम पंचायत

और वार्ड कमेटियों का गठन शीघ्र पूर्ण कर संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने सभी नवनियुक्त अध्यक्षों को शुभकामनाएं देते हुए अपेक्षा जताई कि वे पूर्ण निष्ठा, समर्पण और सक्रियता के साथ संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम का समापन संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर विनोद शर्मा, ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री, रामभिलाष पटेल, अरविन्द तिवारी, परमजीत पाण्डेय, विवेक सिंह दीपू, हल्के सोनी, सुंदरलाल सिंह, राणा प्रताप सिंह, जय सिंह, सुनील सिंह, सुखनंदन सोनी, सुशील पाण्डेय, मनोज सिंह चंदेल, शिवकुमार सिंह, चिंतामणि गुप्ता, विमल जायसवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

» दिन भर मंदिरों मे चलता रहा पूज़ा अर्चना का दौर

» बढ़ौरा एवं मौहार शिव मंदिर में लगा भव्य मेला

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले भर में आज महाशिवरात्रि महापर्व पूरी आस्था के साथ मनाया गया। प्रसिद्ध शिवालयों में अलसुबह से ही पूजा अर्चना का दौर जारी रहा। यह क्रम शाम तक अनवरत रूप से चलता रहा। ज्योतिषी गणना के अनुसार महाशिवरात्रि पर पूजा अर्चना करने से विशेष फल प्राप्त होते हैं। इसी मंशा के चलते शिवालयों में पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ अलसुबह से ही उमडऩा शुरू हो गई थी। जिले के प्रसिद्ध बढ़ौरा एवं मौहार नीलकण्ठ मंदिर परिसर में भव्य मेला का आयोजन भी किया गया। जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर आस्था के साथ जलाभिषेक कर मेला का लुत्फ भी उठाया। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर जिले के अन्य शिव मंदिरों में भी भक्तों की भीड़ पूजा अर्चना के लिए उमड़ रही थी। जिला मुख्यालय में पूजा पार्क, पडऱा शिवमंदिर में भी भक्तों की भीड़ जलाभिषेक करने के लिए पहुंच रही थी। वहीं रामपुर नैकिन अंचल में रैदुअरिया में भी महाशिवरात्रि पर मेला का आयोजन शिव मंदिर परिसर में किया गया।

जहां क्षेत्र से भारी संख्या में श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए पहुंचे। वहीं बागढ़ दुरासिन मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आज भव्य मेला का आयोजन किया गया। यहां दूर-दूर से श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए पहुंचे। महाशिवरात्रि हिन्दुओं के बड़े त्यौहार और व्रतों में से एक माना गया है। मान्यता है कि सृष्टि के प्रारंभ में इसी दिन मध्यरात्रि भगवान शंकर का ब्रह्मा से रुद्र के रूप में अवतरण हुआ था। प्रलय की वेला में इसी दिन प्रदोष के समय भगवान शिव तांडव करते हुए ब्रह्मांड को तीसरे नेत्र की ज्वाला से समाप्त कर देते हैं। इसीलिए इसे महाशिवरात्रि कहा गया है। इस दिन शिव मंदिरों में भक्तों का भारी जमावड़ा देखा गया। रुद्राभिषेक से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। शिवजी हर मनोकामना पूरी करते देंगे। महाशिवरात्रि पर सीधी जिले में बढ़ौरा शिवमंदिर एवं मौहार मदिर में भव्य मेला का आयोजन होने से यहां की व्यवस्थाओं को बनाने में पुलिस प्रशासन की ओर से विशेष इन्तजाम किये गये थे। बढ़ौरा शिव मंदिर परिसर में महिला पुलिस कर्मियों को भी तैनात किया गया था। जिससे महिला श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रण करने में मदद मिल सके। इसी तरह कीव्यवस्थाएं मौहार मंदिर में भी देखने को मिली। जिला मुख्यालय स्थित पूजा पार्क एवं समीपी पडऱा शिवमंदिर में आज महाशिवरात्रि पर मेला का आयोजन किया गया, जहां भारी संख्या में लोग पहुंचे। जिनके द्वारा पूजा अर्चना के साथ ही यहां आयोजित मेला का लुत्फ भी उठाया गया। महाशिवरात्रि को लेकर शहरी क्षेत्रों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी काफी उत्साह रहा। सुबह से ही लोग स्नान करने के बाद शिव प्रतिमा में जलाभिषेक करने की तैयारी में जुट गए थे। जलाभिषेक का दौर मंदिरों में अपरान्ह तक चला। इस दौरान तक लोगों की काफी भीड़ भी जमा रही।

राजस्थान में 17-18 फरवरी को बदल सकता है मौसम, जयपुर-बीकानेर में बादल और हल्की बारिश के आसार

लोकतंत्र की शान

जयपुर। राजस्थान में एक बार फिर मौसम करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार 17 और 18 फरवरी को प्रदेश में एक पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) सक्रिय होगा, जिसके प्रभाव से जयपुर और बीकानेर संभाग के कई इलाकों में बादल छा सकते हैं तथा कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 16 फरवरी तक प्रदेश में मौसम सामान्यतः साफ रहेगा। दिन में तेज धूप रहेगी, जबकि सुबह-शाम हल्की सर्दी का असर बना रहेगा। 17 फरवरी से सक्रिय होने वाले पश्चिमी विक्षोभ के कारण 17 और 18 फरवरी को मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। इधर, पश्चिमी राजस्थान में गर्मी ने समय से पहले दस्तक दे दी है। बाड़मेर में शनिवार को अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस मापा

गया, जो सामान्यतः 20 फरवरी के बाद देखने को मिलता है। पिछले 24 घंटे के दौरान आसमान साफ रहा और सुबह से शाम तक तेज धूप खिली रही। मौसम केन्द्र की रिपोर्ट के अनुसार जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, चूरू, नागौर, पाली और डूंगरपुर समेत कई शहरों में दिन का तापमान 30 से 33 डिग्री सेल्सियस के बीच मापा गया। फरवरी में ही तापमान के 30 डिग्री पार पहुंचने से लोगों को दिन में गर्मी का एहसास होने लगा है। प्रदेश में दिन के तापमान में बढ़ोतरी के बावजूद शेखावाटी क्षेत्र में सुबह-शाम सर्दी का असर बरकरार है।

गुंडा राज से मुक्ति चाहिये प्रदेश में होगी प्रदेशव्यापी हड़ताल आर. के. सिंह सैनी

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के वाईस चेयरमेन आर. के सिंह सैनी के द्वारा बताया गया कि तहसील करेरा, जिला शिवपुरी के अधिवक्ता श्री संजय कुमार सक्सेना की न्यायालय जाते समय अधिवक्ता गणवेश में अपराधियों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई जिसकी मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद द्वारा घोर निंदा की गई। विदित है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के अधिवक्ताओं की सुरक्षा हेतु एडवोकेटस प्रोटेक्शन एक्ट लागू नहीं किया जा रहा है। श्री सैनी ने बताया कि उक्त घटना को देखते हुये मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के सभागार में विशेष सामान्य सभा की बैठक आयोजित कर प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें तहसील अधिवक्ता संघ करेरा, जिला शिवपुरी के अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की निशृंस हत्या के संबंध में एवं एडवोकेटस प्रोटेक्शन एक्ट लागू किये जाने के संबंध में दिनांक 16.02.2026 को उच्च न्यायालय / समस्त जिला तहसील न्यायालयों में अधिवक्तागण कार्य से विरत रहेंगें। श्री सैनी ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री

को उक्त घटना पर एवं एडवोकेटस प्रोटेक्शन एक्ट लागू किये जाने हेतु पत्र प्रेषित कर 7 दिन का अल्टीमेटम दिया गया है कि प्रदेश के अधिवक्तागणों को सुरक्षा नहीं दी गई तो प्रदेश के समस्त अधिवक्ता मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे।

पुजारी की धारदार हथियार से हत्या ,कुसमी थाना क्षेत्र के तहसील मार्ग की घटना

हत्या से आक्रोशित परिजनों ने दिया धरना

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवरात्रि के दिन रविवार सुबह एक हृदय विदारक और सनसनीखेज घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। तहसील परिसर स्थित हनुमान मंदिर के पुजारी 75 वर्षीय इन्द्रभान द्विवेदी की निर्मम हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि इन्द्रभान द्विवेदी अपने घर से प्रतिदिन की तरह मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जा रहे थे, तभी कुसमी तहसील रोड पर उन पर धारदार हथियार से हमला किया गया। वही प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना इतनी भयावह थी कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही हमलावर ने धारदार हथियार से वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल इन्द्रभान द्विवेदी सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने तत्काल उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए।

घटना के संबंध में पुलिस से मिली जानकारी हत्या 55 वर्षीय लाला केवट द्वारा की गई है, वारदात के तुरंत बाद आरोपी को भागने की फिराक में था लेकिन मौका नहीं मिला। मौके पर मौजूद ग्रामीणों और पुलिस की सतर्कता से उसे घटनास्थल से ही पकड़ लिया गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। हत्या के पीछे के कारणों का फिलहाल स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। वही इन्द्रभान द्विवेदी की हत्या से क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वे लंबे समय से तहसील परिसर हनुमान मंदिर में सेवा दे रहे थे और धार्मिक व सामाजिक रूप से सम्मानित व्यक्ति थे। घटना के बाद से ही इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

बुलडोजर कार्यवाही की मांग

आक्रोशित परिजनों ने हत्या करने वाले आरोपी के घर को जमीदोज करने के लिए अड़ गए, स्तिथि यह रही कि शव का पोस्टमार्टम कराने से परिजनों ने इंकार कर दिया, स्थानीय प्रशासन की समझाइश के बाद करीब चार बजे परिजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार हुए, तब जाकर धरना प्रदर्शन समाप्त हुआ। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। यह घटना न केवल कुसमी बल्कि पूरे जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है।

हत्यारे के घर को किया गया सीज

पुजारी इंद्रभान द्विवेदी की मौत से नाराज परिजनों सहित स्थानीय लोगों ने बुल्डोजर कार्यवाही के लिए अड़े रहे, लेकिन प्रशासन ने बुल्डोजर कार्यवाही तो नहीं की , किन्तु हत्यारे लाला केवट के घर में मौजूद सभी लोगों को मूल गांव निवास भेज दिया गया और घर को सीज कर दिया गया है। आरोपी के खिलाफ कुसमी पुलिस द्वारा हत्या की धारा के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया गया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

आरोप- पुतिन ने अपने विरोधी को जहर देकर मारा

मॉस्को। यूरोप के पांच देशों ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर उनके विरोधी एलेक्सी नवलनी को 'एपिबैटिडीन जहर' देकर मारने का आरोप लगाया है। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन और नीदरलैंड ने कहा है कि यूरोप की लैब में नवलनी के शरीर के नमूनों की जांच में एपिबैटिडीन पाया गया। ये जहर रूस में प्राकृतिक रूप से नहीं मिलता। इन देशों ने कहा कि रूस के पास यह जहर देने के साधन, मकसद और मौका तीनों थे। उन्होंने रूस के खिलाफ केमिकल वेपन्स कन्वेंशन के उल्लंघन की शिकायत करने की बात कही है। नेशनल ज्योग्राफिक के मुताबिक, ये जहर दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले जहरीले डार्ट मेंढकों की त्वचा में मिलता है। यह जहर पहले शरीर को लकवाग्रस्त करता है, फिर सांस लेने में दिक्कत पैदा करता है और आखिर में दर्दनाक मौत हो सकती है। डार्ट मेंढक करीब दो इंच लंबे होते हैं, लेकिन उनके शरीर में इतना जहर होता है कि वह लगभग 10 वयस्क लोगों को मार सकता है। इन मेंढकों की त्वचा से निकाले जाने वाले जहर को एपिबैटिडीन कहा जाता है। यह एक न्यूरोटॉक्सिन है, यानी ऐसा जहर जो सीधे नर्व सिस्टम पर असर करता है। इसे एक रासायनिक हथियार के रूप में भी जाना जाता है। डार्ट मेंढक का जहर धरती के सबसे घातक जहरों में गिना जाता है। यह मॉर्फीन से लगभग 200 गुना ज्यादा ताकतवर है। इससे शरीर को लकवा मार सकता है, सांस लेने में गंभीर दिक्कत पैदा हो सकती है और दर्दनाक मौत होती है। वैसे तो एपिबैटिडीन मेंढकों में प्राकृतिक रूप से मिलता है, लेकिन इसे लैब में भी बनाया जा सकता है। यूरोपीय वैज्ञानिकों को शक है कि इस मामले में इसे लैब में तैयार किया गया था।

राजस्थान में दो दिन बाद बारिश का अलर्ट

लखनऊ/भोपाल/जयपुर/रायपुर/देहरादून। देश के हिमालयी इलाकों में 16 फरवरी तक दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हैं। 17 फरवरी से हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। वहीं मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में दिन का तापमान 30°C पार हो चुका है। राजस्थान के कई जिलों में तापमान 35°C पर पहुंच गया है। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेन्नई, कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ और उडुपी, महाराष्ट्र के रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग में घना कोहरा छाया हुआ है। मध्य प्रदेश के कई शहरों में दिन का तापमान बढ़ गया है। राज्य में कल से मौसम बदल सकता है। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में पारा 30°C के पार हो चुका है। छत्तीसगढ़ में औसत तापमान में 2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई। राजस्थान के जयपुर, बीकानेर संभाग जिलों में 17-18 फरवरी को बारिश हो सकती है। दिल्ली का AQI खराब स्तर पर पहुंच गया है। NCR में औसत तापमान 11°C दर्ज किया गया। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड का असर दिख रहा है। प्रदेश के कई शहरों का न्यूनतम तापमान माइनस 20°C से नीचे है। मुनस्यारी में सबसे कम पारा -25°C, बद्रीनाथ में -16°C, गंगोत्री में -20°C दर्ज किया गया।

22 अप्रैल को खुलेंगे केदारनाथ धाम के कपाट

देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में स्थित केदारनाथ धाम के कपाट इस साल 22 अप्रैल को सुबह 8 बजे खुलेंगे। महाशिवरात्रि के अवसर पर पंचकेदार गद्दी स्थल उखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में वैदिक विधि-विधान और पंचांग गणना के बाद शुभ मुहूर्त की औपचारिक घोषणा की गई। इस वर्ष कपाट वृष लग्न में खुलेंगे, जिसे धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माना जाता है। इस साल केदारनाथ यात्रा पिछले साल की तुलना में पहले शुरू हो रही है। 2025 में धाम के कपाट 2 मई को खुले थे, जबकि इस बार 22 अप्रैल को खुलेंगे। यानी श्रद्धालु इस बार 10 दिन पहले बाबा केदार के दर्शन कर सकेंगे। तिथि घोषित होते ही शासन-प्रशासन और बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने यात्रा तैयारियों को तेज कर दिया है। पैदल मार्ग से बर्फ हटाने, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और यात्रियों के लिए सुविधाएं दुरुस्त करने का काम युद्धस्तर पर जारी है। इस बार यात्रा को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कपाट खुलने की पारंपरिक धार्मिक प्रक्रिया के तहत 18 अप्रैल को भगवान भैरवनाथ की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। परंपरा के अनुसार भैरवनाथ को धाम का क्षेत्रपाल देवता माना जाता है और उनकी पूजा के साथ ही यात्रा की औपचारिक शुरुआत होती है। इसके साथ धाम खुलने से जुड़े अनुष्ठानों की श्रृंखला प्रारंभ हो जाती है।

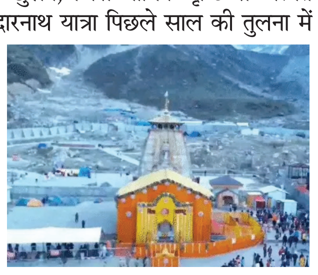

राजस्थान में दूल्हा बने भोलेनाथ, शिवगणों का तांडव मधुक्खियों ने श्रद्धालुओं पर किया हमला, 12 घायल

जयपुर। राजस्थान में महाशिवरात्रि के पर्व पर शिवभक्त झूमते-गाते बाबा के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। जयपुर, उदयपुर, कोटा, जोधपुर, अलवर सहित सभी शहरों में भगवान भोलेनाथ के मंदिरों में विशेष सजावट की गई है। भक्त दूध, घी, शहद से अभिषेक कर रहे हैं। डमरू और मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव के जयकारे लगाए जा रहे हैं। जयपुर के ताड़केश्वर मंदिर में रविवार सुबह 3 बजे हुई भस्म आरती और महाभिषेक के बाद भक्तों के लिए कपाट खोले गए। उदयपुर में एकलिंगनाथजी के दर्शन के लिए भक्त डीजे की धुन पर शिव आराधना करते हुए पहुंचे। कोटा के शिवपुरी धाम में 525 शिवलिंग के दर्शन के लिए सुबह से भक्तों की लाइन लगी है। झालावाड़ जिले के बकानी कस्बे में स्थित थाकाजी मंदिर के पास मधुमक्खियों ने श्रद्धालुओं पर हमला कर दिया। इससे 12 श्रद्धालु घायल हो गए। कोटा शहर के अमलेश्वर मंदिर के कपाट भी आज खुले हैं। करीब 100 साल पुराने इस मंदिर में केवल महाशिवरात्रि पर पूजा होती है। वहीं, अलवर के प्रमुख त्रिपोलेश्वर महादेव मंदिर भगवान शिव आज दूल्हे के रूप में हैं। जालोर में निकाली गई शोभायात्रा में शिवगणों ने पूरे उत्साह से तांडव किया।

रूसी दल ने महादेव से युद्ध रोकने की प्रार्थना की

वाराणसी। महाशिवरात्रि के दिन वाराणसी में आस्था और विश्व शांति की अनूठी मिसाल देखने को मिली। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध की विभीषिका से आहत रूसी श्रद्धालुओं ने काशी पहुंचकर भगवान भोलेनाथ से युद्ध विराम और वैश्विक शांति की प्रार्थना की। इसके बाद घाट-लंका स्थित तारानगर कॉलोनी के वेद मंदिर में आयोजित रुद्राभिषेक अनुष्ठान में रूस से आए 12 श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भाग लिया। वैदिक एजुकेशनल रिसर्च सोसाइटी के तत्वावधान में संस्था के अध्यक्ष एवं ज्योतिषाचार्य पंडित शिवपूजन शास्त्री के सान्निध्य में ब्राह्मणों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक संपन्न कराया। रूस की जूलिया के संयोजन में काशी पहुंचे 12 सदस्यीय दल के श्रद्धालुओं ने भगवान शंकर का अभिषेक कर दोनों देशों के बीच शांति और सौहार्द स्थापित होने की कामना की। जूलिया ने बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर पूजन-अर्चन कर उन्हें आध्यात्मिक शांति का अनुभव हुआ। उन्होंने कहा कि उनकी प्रार्थना है कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध शीघ्र समाप्त हो, ताकि दोनों देशों में अमन-चैन कायम हो सके। पंडित शिवपूजन शास्त्री ने कहा कि काशी अनादि काल से विश्व को ज्ञान और शांति का संदेश देती आई है। महाशिवरात्रि जैसे पावन पर्व पर विदेशी श्रद्धालुओं द्वारा रुद्राभिषेक कर विश्व शांति की कामना करना काशी की वैश्विक आध्यात्मिक परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि भगवान महादेव की कृपा से विश्व में शांति स्थापित होगी। महाशिवरात्रि पर बाबा विश्वनाथ की नगरी में देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने काशी की आध्यात्मिक महिमा को और भी गौरवान्वित किया।

अमेरिका से परमाणु समझौते पर बातचीत के लिए ईरान तैयार

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी/तेहरान

♦ उप विदेश मंत्री बोले- ट्रम्प प्रतिबंध हटाएं तो डील संभव, बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट पर विवाद अटका

ईरान ने अमेरिका के साथ परमाणु समझौते को लेकर बातचीत करने की इच्छा जताई है। ईरान के उप विदेश मंत्री मजीद तख्त-रवांची ने BBC को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर अमेरिका प्रतिबंध हटाने पर बात करने को तैयार है, तो हम अपने परमाणु कार्यक्रम से जुड़े कई मुद्दों पर समझौता करने के लिए तैयार है। दोनों देशों के बीच बातचीत का अगला दौर मंगलवार को जिनेवा में होने वाला है। वहीं अमेरिकी अधिकारी बार-बार कहते रहे हैं कि परमाणु वार्ता में प्रगति रुकने की वजह ईरान है, न कि अमेरिका।

हालांकि, तख्त-रवांची ने दोहराया कि ईरान अपने बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट पर अमेरिका से बातचीत नहीं करेगा। यह मुद्दा इजराइल और अमेरिका दोनों उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जब हम पर इजराइल और अमेरिका ने हमला किया तो हमारी मिसाइलों ने हमारी रक्षा की। हम अपनी रक्षात्मक क्षमता से खुद को कैसे वंचित कर सकते हैं?'

अमेरिकी विदेश मंत्री बोले- ईरान के साथ डील करना बहुत मुश्किलः दूसरी ओर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को कहा था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प समझौता चाहते हैं, लेकिन ईरान के साथ डील करना बहुत मुश्किल है। ट्रम्प ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने पर समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका सैन्य कार्रवाई कर सकता है। इसके साथ ही अमेरिका ने क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी भी बढ़ाई है।

रवांची बोले- हमने 60% इंरिच्ड यूरेनियम घटाने का प्रस्ताव दियाः ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु समझौता एक लंबे समय से चल रही विवादास्पद बातचीत है, जिसका मकसद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना है। जिससे वह परमाणु हथियार न बना सके। मजीद तख्त-रवांची ने कहा कि ईरान ने 60% तक इंरिच्ड यूरेनियम को कम करने का प्रस्ताव दिया है। यह स्तर हथियार-ग्रेड के करीब माना जाता है और इसी वजह से दूसरे देशों को शक है कि ईरान परमाणु हथियार बना रहा है। हालांकि ईरान लगातार इससे इनकार करता रहा है। उन्होंने कहा, 'हम अपने परमाणु कार्यक्रम से जुड़े अन्य मुद्दों पर बात करने को तैयार हैं, बशर्ते वे प्रतिबंधों पर चर्चा करें।' उन्होंने यह साफ नहीं किया कि प्रतिबंध पूरी तरह हटाने की बात है या आंशिक रूप से।

ईरान के पास इंरिच्ड यूरेनियम का भंडार हैः ईरान के पास 400 किलो से ज्यादा उच्च स्तर पर इंरिच्ड यूरेनियम का भंडार है। 2015 के परमाणु समझौते के तहत उसने अपना यूरेनियम रूस भेजा था। इस बार क्या वह ऐसा करेगा, इस पर तख्त-रवांची ने कहा कि अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। रूस ने दोबारा यह सामग्री स्वीकार करने की पेशकश की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेहरान अस्थायी रूप से यूरेनियम इंरिचमेंट रोकने का प्रस्ताव भी दे चुका है।

महाशिवरात्रिः 12 ज्योतिर्लिंग समेत सभी शिवालयों में दर्शन-पूजा

महाकालेश्वर पहनेंगे 11 फुट का सेहरा रतलाम के गढ़ कैलाश महादेव का 11 लाख के नोटों से श्रृंगार

एजेंसी, नई दिल्ली

देशभर में आज महाशिवरात्रि पर्व मनाया जा रहा है। 12 ज्योतिर्लिंग और शिव मंदिरों में आधी रात से ही दर्शन-पूजन करने के लिए भक्त पहुंच रहे हैं। महाकालेश्वर मंदिर में आज 10 लाख लोगों के पहुंचने का अनुमान है। महाकाल मंदिर के पट रात 2.30 बजे से खुले हैं। दोपहर 3 बजे तक 3.30 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। 16 फरवरी को दोपहर 12 बजे साल में एक बार होने वाली भस्म आरती भी होगी। महाकाल का दूल्हे के रूप में श्रृंगार करने के लिए 3 क्विंटल फूल मंगाए गए हैं। 100 किलो आंकड़े के फूल, सवा लाख बेल पत्र, 200 किलो देसी फूल से बना 11 फुट का सेहरा बनाया जाएगा।

मध्यप्रदेश के खंडवा में ओंकारेश्वर मंदिर को रात 3 बजे से दर्शन के लिए खोला गया है। यहां 24 घंटे तक लगातार दर्शन पूजन किया जाएगा। एमपी के रतलाम में बने गढ़ कैलाश महादेव मंदिर में 11 लाख रुपए के नोटों से भगवान का श्रृंगार और सजावट की गई है। 10 के सिक्कों से तोरण बनाए गए हैं।

वहीं, काशी के विश्वनाथ मंदिर में रात 2:15 बजे मंगला आरती की गई। 3:30 बजे मंदिर दर्शन के लिए खुल गया। यहां रात से भक्तों की लंबी लाइन लगी है। झारखंड के देवघर में बाबाधाम मंदिर में शनिवार को पंचशूलों की विशेष पूजा हुई। मंदिर के शिखरों पर पंचशूलों की पुनर्स्थापना के बाद बाबा बैद्यनाथ-माता पार्वती का गठबंधन हुआ।

यात्री फर्स्टः रेलवे की नई व्यवस्था
चलती ट्रेन में अब हर 1-2 घंटे में होगी कोच की सफाई

एजेंसी, नई दिल्ली

फर्स्ट फेज में 80 ट्रेनों में सुविधा

ट्रेनों में साफ-सफाई के लिए रेलवे नई व्यवस्था अपनाने जा रहा है। अब आरक्षित श्रेणी के साथ ही अनारक्षित कोचों की भी यात्रा के दौरान सफाई होगी। यह व्यवस्था सबसे पहले अगले छह महीनों में 80 ट्रेनों में लागू होगी। रेलवे ने '52 सप्ताह, 52 रिफॉर्म' का संकल्प लिया है। इसके तहत हर सप्ताह एक रिफॉर्म करने की योजना है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि अब चलती ट्रेनों में बाथरूम, डस्टबिन, कोच की सफाई नियमित अंतराल यानी 1 से 2 घंटे के अंदर होती रहेगी। पहले चरण में यह व्यवस्था लंबी दूरी की 80 ट्रेनों में लागू होगी।

सफाई नहीं हुई या ठीक से नहीं हुई तो यात्री फोटो रेल वन एप या रेलवे के सोशल मीडिया हैंडल पर डाल सकेंगे। छोटी-मोटी इलेक्ट्रिक मरम्मत जैसे लाइट या स्विच काम न करने जैसी शिकायतों को भी चलती ट्रेन में दूर किया जा सकेगा। हर जोन से 5-6 ट्रेनों को पहले चरण में चिह्नित कर सफाई व्यवस्था लागू होगी।

लिनेन, बाथरूम, कोच सफाई का एक ही वेंडरः सफाई के पुराने तरीकों से क्या अंतर होगा? रेल मंत्री ने कहा कि पहले लिनेन उपलब्ध कराने वाला वेंडर अलग था, बाथरूम, कोच सफाई का अलग। अब पारदर्शी तरीके से काम दिया जाएगा, ताकि जिम्मेदारी एक जगह हो। सफाई की निगरानी एआई कैमरों से होगी।

बांग्लादेश- 17 को रहमान का शपथ समारोह, मोदी को न्योता, स्पीकर ओम बिरला ढाका जाएंगे

एजेंसी, ढाका

♦ इसी दिन पीएम की फ्रांसीसी राष्ट्रपति से मुलाकात

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) के चेयरमैन तारिक रहमान 17 फरवरी को देश के नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं को इस समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेजा गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक इस समारोह में भारत की तरफ से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शामिल होंगे। उनके साथ विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री भी रहेंगे। PM मोदी 17 फरवरी को मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक करने वाले हैं, इसलिए वे ढाका नहीं जा रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह परंपरा से अलग इस बार राष्ट्रपति भवन की जगह ढाका के नेशनल पार्लियामेंट कॉम्प्लेक्स के साउथ प्लाजा में होगा।

SAARC सदस्य देशों को न्योता देने की तैयारी में बांग्लादेशः बांग्लादेश ज्यादातर SAARC सदस्य देशों के नेताओं को आमंत्रित करने की योजना बना रहा है। SAARC पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की पहल पर शुरू हुआ था। जिया, तारिक के पिता थे। इसके अलावा चीन, मलेशिया, सऊदी अरब और तुर्किये जैसे मित्र देशों के प्रमुखों को भी बुलाने की तैयारी है। तारिक रहमान ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार की विदेश नीति बांग्लादेश के लोगों के हितों की रक्षा पर केंद्रित होगी और यह किसी एक देश पर आधारित नहीं होगी।

रहमान बोले- SAARC को फिर एक्टिव करने की कोशिश करेंगेः बांग्लादेश आम चुनाव में जीत के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) अध्यक्ष तारिक रहमान ने शनिवार को पहली बार मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि SAARC की शुरुआत बांग्लादेश ने की थी, इसलिए वे इसे फिर से शुरू करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद वे दूसरे देशों से बात करेंगे और संगठन को दोबारा एक्टिव करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने साफ कहा कि देश में कानून-व्यवस्था हर हाल में बनाए रखी जाएगी। शांति और सुरक्षा बिगाड़ने वाली किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कानून सभी पर बराबर लागू होगा। तारिक रहमान ने देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि रास्ते और विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन देश के हित में सभी को साथ रहना होगा। राष्ट्रीय एकता ही देश की ताकत है और बंटवारा कमजोरी। तारिक ने कहा कि आज से देश में सच्चे अर्थों में आजादी और अधिकार बहाल हुए हैं। उन्होंने बांग्लादेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि लोगों ने सभी मुश्किलों को पार कर देश में लोकतंत्र की राह बनाई है।

रहमान बोले- बांग्लादेश का हित सबसे ऊपरः तारिक रहमान ने भारत-बांग्लादेश रिश्तों से जुड़े सवाल पर कहा कि हम बांग्लादेश के हितों को सबसे ऊपर रखेंगे। रहमान ने यह भी कहा कि चीन बांग्लादेश का विकास में सहयोगी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में बांग्लादेश और चीन मिलकर काम करते रहेंगे। उनका कहना था कि दूसरे देशों की तरह चीन भी बांग्लादेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब उनसे पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत से वापस लाने के बारे में पूछा गया, तो रहमान ने कहा कि यह पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

भारत को मिलने वाले 114 में से 24 होंगे सुपर-राफेल

एजेंसी, नई दिल्ली

फ्रांस के साथ भारत 114 राफेल लड़ाकू विमानों का सौदा 3.25 लाख करोड़ रुपए में करने जा रहा है। 17 फरवरी से फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैंक्रॉ की तीन दिन की भारत यात्रा शुरू हो रही है। इसी दौरान इस डील पर मुहर लगेगी। इन 114 में से 24 विमान सुपर राफेल होंगे, जिन्हें फ्रांस की विमान निर्माता कंपनी दसॉ एविएशन एफ-5 नाम से बना रही है।

अभी वायुसेना के पास एफ-3 राफेल हैं, जो 4.5 जेनरेशन के लड़ाकू विमान हैं। इनमें स्टेल्थ क्षमता और परमाणु हथियार दागने की शक्ति है। लेकिन, नए विमान एफ-4 पीढ़ी के हैं। इसलिए इन्हें 5वीं जेनरेशन का कहा जा रहा है। यूरोपीय मानकों के हिसाब से एफ-5 राफेल असल में छठी पीढ़ी के जेट होंगे। फ्रांस के बाद इस तरह के सबसे बेहतर विमान भारतीय वायुसेना के पास होंगे। एफ-5 अभी विकास के चरण में हैं। एफ-4 की आपूर्ति 2028-29 से शुरू होगी। 2030 के बाद जो भी विमान मिलेंगे, वो एफ-5 श्रेणी के सुपर राफेल होंगे।

F-35 और सुखोई-57 से बेहतर होंगे सुपर राफेलः वायु सेना के एक अधिकारी ने बताया कि सुपर राफेल अमेरिका के एफ-35 और रूस के सुखोई-57 से अगली पीढ़ी का फाइटर होगा। इस सौदे के तहत 88 राफेल सिंगल सीटर और 26 डबल सीटर होंगे, जिन्हें प्रशिक्षण और लड़ाकू दोनों भूमिका में इस्तेमाल किया जा सकेगा।

114 में से 96 राफेल भारत में बनेंगेः दसॉ एविएशन से 18 विमान उड़ने के लिए तैयार स्थिति में मिलेंगे। बाकी 96 भारत में बनेंगे। इनके 60% कलपुर्जे स्वदेशी होंगे। भारत का यह सबसे बड़ा रक्षा सौदा है। अब यह प्रस्ताव अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (CCS) के पास भेजा जाएगा।

प्रस्ताव को 16 जनवरी को रक्षा खरीद बोर्ड से मंजूरी मिल चुकी थी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, नए राफेल विमानों की खरीद से एयर डिफेंस और बॉर्डर एरिया में तैनाती की क्षमता मजबूत होगी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली कमेटी ने नेवी के लिए 6 अमेरिकी बोइंग P8-I सर्विलांस एयरक्राफ्ट, कॉम्बैट मिसाइलों और एयर-शिप बेस्ड हाई एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट्स के प्रपोजल को भी मंजूरी दी है। इन सभी सौदों की कुल कीमत 3.60 लाख करोड़ रुपए है।

देश में बिजली उत्पादन क्षमता में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी, 10 महीनों में 52,537 मेगावाट जुड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

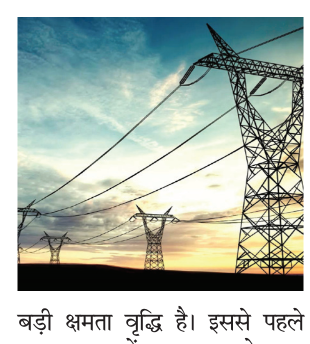

देश में चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले 10 महीनों में बिजली उत्पादन क्षमता में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी हुई है। इस वित्तवर्ष में अब तक का सबसे बड़ा इजाफा करते हुए बिजली उत्पादन 11 फीसदी से ज्यादा बढ़ोत्तरी हुई है। देश के कुल बिजली उत्पादन में 52,537 मेगावाट की बढ़ोत्तरी के साथ कुल बिजली उत्पादन 5,20,510.95 मेगावाट हो गया।

केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के अनुसार, इस साल 31 जनवरी तक बढ़ी कुल क्षमता में 39,657 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा से है। इसमें 34,955 मेगावाट सौर ऊर्जा और 4,613 मेगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। मंत्रालय ने बताया कि यह एक साल में अब तक की सबसे बड़ी क्षमता वृद्धि है। इससे पहले 2024-25 में 34,054 मेगावाट क्षमता जोड़ी गई थी। देश की कुल स्थापित क्षमता में 2,48,541.62 मेगावाट जीवाश्म ईंधन आधारित है। जबकि 2,71,969.33 मेगावाट क्षमता गैर-जीवाश्म स्रोतों से है। गैर-जीवाश्म स्रोतों में 8,780 मेगावाट परमाणु ऊर्जा शामिल है। वहीं 2,63,189.33 मेगावाट क्षमता नवीकरणीय ऊर्जा से है।

रामभद्राचार्य बोले- अगली बार धीरेंद्र शास्त्री की शादी में आऊंगा

एजेंसी, खजुराहो

छतरपुर के बागेश्वर धाम में महाशिवरात्रि पर रविवार को 305 जोड़ों के विवाह की रस्में चल रही हैं। अब से कुछ देर बाद फेरे होंगे। फिर विदाई के साथ इस तीन दिवसीय सामूहिक विवाह समारोह का समापन होगा। इससे पहले वरमाला के लिए दूल्हा-दुल्हन को 30-30 की संख्या में मंच पर बुलाया गया। पं. धीरेंद्र शास्त्री ने सभी जोड़ों से मुलाकात की। एक दूल्हा शास्त्री के पैरों में गिर गया। भावुक होकर आशीर्वाद लिया। वहीं, दूसरे दूल्हा-दुल्हन बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर के गले लगकर रोने लगे।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा- इस बार मैं 305 बेटियों की शादी में आया हूं। 29 जून से 13 जनवरी तक एकांतवास में रहूंगा। लगता है कि अगले साल मैं धीरेंद्र शास्त्री की शादी में आऊंगा। सामूहिक विवाह समारोह में एक नेपाली जोड़ा भी शादी कर रहा है। नेपाली और भारतीय दोनों रीति-रिवाजों से रस्में हो रही है, जिसमें दोनों तरफ के पुजारी मौजूद हैं। नेपाल से आए 50 बाराती भी इस विवाह के साक्षी बन रहे हैं।

कार्यक्रम में रामभद्राचार्य जी महाराज के साथ इंद्रेश उपाध्याय, अनिरुद्धाचार्य, हनुमान गढ़ी के राजूदास महाराज और दूसरे संत भी मौजूद हैं। अर्जेंटीना, चिली, पेरू, उरुग्वे, इक्वाडोर, कोलंबिया, पनामा, भारत और दक्षिण अफ्रीका के राजदूत भी शामिल हो रहे हैं।

सदन चलाने के लिए विपक्ष नेता का मैच्योर होना जरूरीः रिजिजू

एजेंसी, नई दिल्ली

♦ सुषमा स्वराज का वीडियो शेयर किया, राहुल गांधी की स्पीच से संसद में हंगामा हुआ था

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म X पर स्वर्गीय BJP नेता सुषमा स्वराज का पुराना वीडियों शेयर किया। उन्होंने लिखा कि एक मैच्योर विपक्ष का नेता (LoP) सदन को आसानी से चलाने और पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी को बेहतर बनाने में बहुत काम आता है। रिजिजू का यह बयान बजट सत्र के पहले चरण में हुए हंगामे के बाद आया। राहुल गांधी ने चीनी टैंक की लद्दाख में घुसपैठ और पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब पर बयान देने की कोशिश की थी। उन्होंने 'एपस्टीन फाइल्स' और इंडिया-US ट्रेड डील जैसे मुद्दों को संसद में उठाने का प्रयास किया था, जिन्हें बीजेपी ने बेबुनियाद बताया था। इसके बाद स्पीकर ने उन्हें रोका। जिसके बाद विपक्षी सांसदों सदन में हंगामा कर दिया था और सदन की कार्यवाही को बाधित किया था।

रिजिजू ने सुषमा स्वराज की 2014 की स्पीच शेयर कीः किरेन रिजिजू ने सुषमा स्वराज की 2014 की लोकसभा में दी गई स्पीच शेयर की, जिसमें वो कहती हैं कि- भारतीय लोकतंत्र के मूल में एक भाव है। वो भाव ये है कि हम एक दूसरे के विरोधी है मगर शत्रु नहीं, हम विरोध विचारधाराओं, नीतियों और कार्यक्रम का करते है। हम जो आलोचना करते हैं वो प्रखर आलोचना हैं। लेकिन प्रखर आलोचना भी भारतीय लोकतंत्र में एक दूसरे के व्यक्तिगत संबंधों में आड़े नहीं आती है। मुझे आडवाणी जी हमेशा निर्देश देते थे कि सदन की गरिमा के अनुरुप ही आचरण करना। और आज मैं यह स्वीकार करना चाहूंगी कि नेता प्रतिपक्ष के रुप में जो भूमिका मैं निभा सकी वो आदरणीय आडवाणी जी के कारण निभा सकी। लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ विपक्ष के नो-कॉन्फिडेंस मोशन पर बहस और वोटिंग 9 मार्च को होनी है। किरेन रिजिजू ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगर विपक्षी पार्टियां सेशन के पहले अपना विरोध जारी रखती हैं, तो यह उनके लिए नुकसानदायक होगा।

BJP सांसद ने राहुल की सदस्यता खत्म करने की मांग कीः BJP सांसद निशिकांत दुबे ने 12 फरवरी को राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा में सब्सटेंसिव मोशन पेश किया है। उन्होंने राहुल पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया था। दुबे ने राहुल की संसद सदस्यता खत्म करने और चुनाव लड़ने पर लाइफटाइम बैन लगाने की मांग की थी।

राष्ट्रीय तंबाकू निषेध (निर्माण, बिक्री एवं उपभोग निषेध) एवं जनस्वास्थ्य संरक्षण अधिनियम, 2026 तथा भारतीय तंबाकू उत्पाद (निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री और आयात) निषेध विधेयक,2026 बजट सत्र में तात्कालिक शेड्यूल करना ज़रूरी

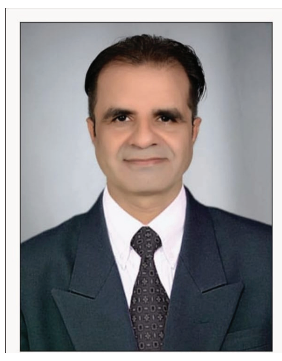

लोकतंत्र की शान

» तंबाकू महामारी-स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और नैतिकता पर बहुआयामी आघात तथा भारत में पूर्ण निषेध की तात्कालिक आवश्यकता

» तंबाकू केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, सामाजिक संरचना और नैतिक मूल्यों को भी अंदर से खोखला कर रहा है- व्यापक और कठोर विधायी प्रतिबंध लागू करना जरूरी -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर तंबाकू का सेवन आज केवल एक व्यक्तिगत आदत या सामाजिक व्यवहार का विषय नहीं रह गया है,बल्कि यह एक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा का रूप ले चुका है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व स्तरपर प्रतिवर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु तंबाकू जनित बीमारियों के कारण होती है। यह आंकड़ा किसी युद्ध, प्राकृतिक आपदा या महामारी से कम नहीं है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में तंबाकू का प्रभाव और भी गंभीर है,जहाँ लाखों लोग प्रतिवर्ष कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों और अन्यजटिलताओं के कारण असमय मृत्यु का शिकार हो जाते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि तंबाकू केवल शरीर को ही नहीं,बल्कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था सामाजिक संरचना और नैतिक मूल्यों को भी अंदर से खोखला कर रहा है। ऐसे परिदृश्य में यह प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है कि क्या केवल कर वृद्धि और चेतावनी संदेश पर्याप्त हैं?या फिर अब समय आ गया है कि भारत में तंबाकू पर व्यापक और कठोर विधायी प्रतिबंध लागू किया जाए। स्वास्थ्य की दृष्टि से तंबाकू का प्रभाव बहुआयामी और घातक है। धूम्रपान और धुंआ रहित तंबाकू दोनों ही शरीर के लगभग हर अंग को प्रभावित करते हैं। फेफड़ों का कैंसर, मुख कैंसर, गले का कैंसर,हृदयाघात,स्ट्रोक,क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिज़ीज जैसी बीमारियाँ तंबाकू सेवन से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हैं। भारत में विशेष रूप से मुंह के कैंसर के मामलों की संख्या अत्यधिक है, जिसका मुख्य कारण गुटखा, पान मसाला और अन्य धुंआ रहित तंबाकू उत्पाद हैं। यह स्थिति केवल सक्रिय उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं है। पैसिव स्मोकिंग यानी दूसरों के धुएँ के संपर्क में आने से बच्चे, महिलाएँ और बुजुर्ग भी गंभीर स्वास्थ्य जोखिम का सामना करते हैं। गर्भवती महिलाओं पर इसका प्रभाव भ्रूण के विकास को बाधित कर सकता है, जिससे कम वजन वाले शिशु जन्म लेते हैं या जन्मजात विकृतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। तंबाकू प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करता है, जिससे टीबी जैसी संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। इस प्रकार तंबाकू एक ऐसी महामारी है जो गैर- संचारी और संक्रामक दोनों प्रकार की बीमारियों को बहुत तेजी से बढ़ावा देती है। साथियों बात अगर हम भारत में तंबाकू नियंत्रण के लिए पहले से मौजूद कानूनों को समझने की करें तो, जैसे सिगरेटटेस अदर टोबैक्को प्रोडक्ट्स एक्ट 2003, जो सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध,विज्ञापन प्रतिबंध और पैकेजिंग पर स्वास्थ्य चेतावनी जैसे प्रावधान करता है। शहर अनेकों कानून है अनेक राज्यों में तंबाकू पर प्रतिबंध भी है इसके अतिरिक्त भारत ने डब्लूएचओ फ्रेमवर्क कान्वेंशन ऑन टोबैको कण्ट्रोल पर हस्ताक्षर किए हैं, जो वैश्विक स्तर पर तंबाकू नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण संधि है।बावजूद इसके, जमीनी स्तर पर तंबाकू की उपलब्धता,सुलभता और सामाजिक स्वीकार्यता कम नहीं हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गुटखा और बीड़ी आसानी से उपलब्ध हैं। छोटे दुकानों और पान ठेलों पर इन्हें खुलेआम बेचा जाता है, जिससे किशोर और युवा वर्ग भी इसके संपर्क में आ जाते हैं।यह दर्शाता है कि वर्तमान व्यवस्था में कठोर प्रवर्तन और व्यापक प्रतिबंध की कमी है। साथियों बात अगर हम सामाजिक दृष्टि से तंबाकू का प्रभाव गहरा और दीर्घकालिक है इसको समझने की करें तो धूम्रपान करने वाले व्यक्ति अक्सर परिवार में तनाव, आर्थिक दबाव और स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अलगाव का अनुभव करते हैं। जब परिवार का कमाने वाला सदस्य तंबाकू जनित बीमारी से ग्रसित होता है, तो पूरा परिवार आर्थिक और मानसिक संकट में फँस जाता है। बीड़ी उद्योग जैसे क्षेत्रों में कार्यरत लाखों श्रमिक विशेषकर महिलाएँ और बाल श्रमिक अत्यंत दयनीय परिस्थितियों में काम करते हैं। वे स्वयं भी तंबाकू धूल और रसायनों के संपर्क में आकर स्वास्थ्य जोखिम उठाते हैं। यह स्थिति सामाजिक असमानता को और गहरा करती है, क्योंकि तंबाकू उद्योग का बोझ मुख्यतः गरीब और अशिक्षित वर्ग पर पड़ता है। जो लोग पहले से आर्थिक रूप से कमजोर हैं, वे तंबाकू पर खर्च करके और अधिक निर्धनता की ओर बढ़ते हैं। इस प्रकार तंबाकू केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का अत्यंत सटीक प्रश्न भी है। साथियों बात कर हम नैतिक दृष्टिकोण से तंबाकू उद्योग की भूमिका गंभीर बहस का विषय है इसको समझने की करें तो जब यह स्पष्ट है कि तंबाकू सेवन से मृत्यु और गंभीर रोग होते हैं, तब भी इसका उत्पादन और विपणन जारी रहना नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। उद्योग का मूल उद्देश्य लाभ कमाना है, परंतु यह लाभ मानव जीवन की कीमत पर प्राप्त होता है। युवाओं को आकर्षित करने के लिए परोक्ष विज्ञापन,फिल्मी दृश्यों में धूम्रपान का ग्लैमराइजेशन और रंगीन पैकेजिंग जैसी रणनीतियाँ अपनाई जाती हैं। किशोर अवस्था में शुरू हुई लत जीवन भर की निर्भरता बन जाती है। यह आने वाली पीढ़ी की उत्पादकता और स्वास्थ्य को कमजोर करता है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी तंबाकू की खेती और उत्पादन विनाशकारी है।अनुमान है कि लगभग हर 300 सिगरेट के उत्पादन में एक पेड़ काटा जाता है। तंबाकू की खेती में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग भूमि और जल को प्रदूषित करता है। सिगरेट के टुकड़े (बट्स) प्लास्टिक आधारित होते हैं और पर्यावरण में लंबे समय तक बने रहते हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है। इस प्रकार तंबाकू केवल मानव स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय नैतिकता के भी विरुद्ध है। साथियों बात अगर हम आर्थिक दृष्टिकोण से तंबाकू का तर्क को समझने की करें तो अक्सर राजस्व पर आधारित होता है। सरकार को तंबाकू उत्पादों से कर प्राप्त होता है, जिसे सार्वजनिक सेवाओं में लगाया जाता है। परंतु जब हम व्यापक आर्थिक विश्लेषण करते हैं, तो स्पष्ट होता है कि तंबाकू से होने वाला कुल आर्थिक नुकसान उसके राजस्व से कहीं अधिक है। तंबाकू जनित बीमारियों के इलाज पर होने वाला प्रत्यक्ष खर्च अस्पताल, दवाएँ, सर्जरी और अप्रत्यक्ष खर्च काम पर अनुपस्थिति, उत्पादकता में कमी, समयपूर्व मृत्यु मिलाकर राष्ट्रीय आय पर भारी बोझ डालते हैं। गरीब परिवार अपनी सीमित आय का बड़ा हिस्सा तंबाकू पर खर्च करते हैं, जिससे बच्चों की शिक्षा,पोषण और स्वास्थ्य पर खर्च कम हो जाता है। यह अंतरपीढ़ी गरीबी को बढ़ाता है। यदि तंबाकू से होने वाली बीमारियों और मृत्यु से जुड़ी आर्थिक लागत का समग्र मूल्यांकन किया जाए, तो यह स्पष्ट होगा कि राष्ट्र को शुद्ध रूप से नुकसान ही हो रहा है। साथियों बात अगर हम सरकार की वर्तमान रणनीति और भविष्य में तंबाकू पर पूर्ण प्रतिबंध कानून को बनाने की करें तो वर्तमान में मुख्यतः कर वृद्धि (टैक्स स्ट्राइक), चेतावनी चित्रों और जनजागरूकता अभियानों पर आधारित है।यह रणनीति कुछ हद तक प्रभावी अवश्य रही है, परंतु पूर्ण समाधान नहीं दे पाई है।जब तकतंबाकू उत्पाद बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं, तब तक लत से ग्रसित व्यक्ति उन्हें खरीदने का तरीका खोज लेगा। कर वृद्धि से अवैध व्यापार और तस्करी की संभावना भी बढ़ जाती है। अतः यह तर्क दिया जा सकता है कि अब समय आ गया है कि भारत में तंबाकू,विशेषकर गुटखा और धुंआ रहित उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए व्यापक और कठोर कानून बनाया जाए। राष्ट्रीय तंबाकू निषेध (निर्माण, बिक्री एवं उपभोग निषेध) एवं जनस्वास्थ्य संरक्षण अधिनियम,2026 तथा भारतीय तंबाकू उत्पाद (निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री और आयात) निषेध विधेयक, 2026 जैसे प्रस्तावित विधेयक यदि संसद में प्रस्तुत किए जाते हैं, तो यह सार्वजनिक स्वास्थ्य की दिशा में ऐतिहासिक कदम हो सकता है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय अनुभवों को समझने की करें तो यहदर्शाते हैं कि कठोर नीतियाँप्रभावी हो सकती हैं। कुछ देशों ने सार्वजनिक स्थानों पर पूर्ण धूम्रपान प्रतिबंध, सादे पैकेजिंग और भारी जुर्माने लागू कर तंबाकू सेवन में उल्लेखनीय कमी लाई है। भारत भी यदि दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाए, तो चरणबद्ध तरीके से उत्पादन, वितरण और बिक्री पर नियंत्रण स्थापित कर सकता है।साथ ही, तंबाकू उद्योग में कार्यरत श्रमिकों के पुनर्वास,वैकल्पिक रोजगार और किसानों के लिए वैकल्पिक फसलों की व्यवस्था आवश्यक होगी, ताकि आर्थिक झटका न्यूनतम रहे। अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करइसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि तंबाकू एक बहुआयामी संकट है,स्वास्थ्य, सामाजिक,नैतिक और आर्थिक सभी स्तरों पर यह केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं,बल्कि सार्वजनिक हित और भावी पीढ़ियों की सुरक्षा का प्रश्न है। यदि राष्ट्र को स्वस्थ,उत्पादक और नैतिक आधार पर सुदृढ़ बनाना है, तो तंबाकू के विरुद्ध राष्ट्रीय तंबाकू निषेध (निर्माण, बिक्री एवं उपभोग निषेध) एवं जनस्वास्थ्य संरक्षण अधिनियम, 2026 तथा भारतीय तंबाकू उत्पाद (निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री और आयात) निषेध विधेयक, 2026 जैसे प्रस्तावित विधेयक यदि संसद में प्रस्तुत कर निर्णायक कदम उठाना अनिवार्य है। संसद के बजट सत्र में कठोर और व्यापक निषेध कानून प्रस्तुत कर भारत विश्व को यह संदेश दे सकता है कि मानव जीवन और जनस्वास्थ्य किसी भी राजस्व या औद्योगिक हित से ऊपर है।

-संकलनकर्ता लेखक
- क़र विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक
चिंतक कवि संगीत माध्यमा
सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन
सनमुखदास भावनानीं गोंदिया
महाराष्ट्र 9284141425

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

लेखक- ललित गर्ग

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का? बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक धुरवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए। तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनर्स्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है। आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की "नई गंगा" तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं। भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका-इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है।

जवानों के हाथ में बंदूक की बजाए ब्रश

लेखक-मुस्ताअली बोहरा

पुलिस का कोई जवान दीवार पर पुताई कर रहा है तो हॉक फोर्स के किसी जवान के हाथ में प्लास्टर करने वाली करनी है। जो अफसर नक्सलियों की घेराबंदी करने और काउंटर फायर का हुक्म देते थे वो अपने उन्हीं जवानों को पेयजल लाईन दुरुस्त करने, मिस्त्री से ठीक से काम करवाने की समझाइश देते दिखते हैं। जी हां.........ये नजारा मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित रहे गांवों के सरकारी स्कूलों का है। उकवा, बैहर, लांजी, किरनापुर आदि क्षेत्रों के नक्सलप्रभावित रहे गांवों में स्थित सरकारी स्कूलों की हालत बद से बदतर हो गई है। नक्सलियों के भय से यहां ना तो निर्माण कार्य हो रहे थे और ना ही पुराने स्कूलों की मरम्मत हो पा रही थी। बड़ी मुश्किल से शिक्षक पहुंचते थे और शिक्षक आ भी गए थे बच्चे नहीं आते थे। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के माथे से नक्सलियों का कलंक मिटते ही पुलिस कप्तान आदित्य मिश्रा ने सुदूर गांवों के सरकारी स्कूलों के मरम्मत का बीड़ा उठाया है। उन्होंने इसके लिए जिले के उद्योगपति, डॉक्टर, शिक्षाविद, बिल्डर्स और अन्य प्रतिष्ठित लोगों का सहयोग लिया है। ऐसे लोगों ने अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार स्कूलों को गोद लिया है। यानि स्कूल में आने वाले खर्च गोद लेने वाला उठाएगा। बताया जा रहा है कि एक स्कूल की मरम्मत के लिए करीब सवा लाख रुपये का खर्च आ रहा है। निगरानी, देख रेख का काम पुलिस विभाग के अधिकारी कर रहे हैं। इस काम में पुलिस विभाग और हॉक फोर्स के जवान भी श्रमदान कर रहे हैं। बालाघाट की इस पहल को यदि पूरे मध्यप्रदेश में अमलीजामा पहनाया जाए तो जर्जर स्कूल भवनों की हालत सुधर जाएगी। और ना सिर्फ मध्यप्रदेश बल्कि देश भर में इस पहल से शिक्षा के क्षेत्र में नई क्रांति आ सकती है। मध्य प्रदेश का बाालाघाट जिला कभी नक्सलियों की आरामगाह या पनाहगाह रहा है। इस जिले की सीमाएं छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से लगती हैं। यही वजह है कि नक्सली जब भी सीमावर्ती राज्यों में कहीं किसी बड़ी घटना को अंजाम देते तो वो बालाघाट के जंगलों में आकर छिप जाते थे। वो यहां खुद को महफूज समझते थे। यहां छिपने और आराम करने के अलावा नक्सली बांस कूप, बांस डिपो, महाराष्ट्र सरकार की यात्री बस जलाने, निर्माण कार्य में लगे डम्पर जलाने,पुलिस जवानों पर गोली बारी करने, लैंड माईन बिछाकर विस्फोट करने, पुलिस मुखबिरी के शक में गांव वालों की हत्या करने सहित दर्जनों वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। बालाघाट जिला तब राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आया था जब तत्कालीन वन एवं परिवहन मंत्री लिखीराम कावरे की उनके घर में नक्सलियों ने हत्या कर दी थी। उस वक्त मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह थे। नक्सल उन्मूलन के दौरान कई बार पुलिस जवानों और माओवादियों के बीच कई मर्तबा एनकाउंटर हुए। दर्जनों बार तो नक्सली घने जंगलों की आड़ लेकर भाग खड़े हुए। खैर साढ़े तीन दशक बाद बालाघाट जिला नक्सलमुक्त घोषित हो गया लेकिन नक्सलप्रभावित रहे सुदूर गांवों में विकास करना, जरूरी निर्माण कार्य कराना, बिजली-पानी-सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराना अभी भी चुनौती है। उम्मीद तो यही की जा रही है कि अब आदिवासी ग्रामीण अंचलों में तेजी से विकास कार्य होंगे। बालाघाट मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र की सीमाओं पर स्थित है। यहां नक्सलउन्मूलन के लिए नक्सल ऑपरेशनों के लिए एमपी पुलिस ने डीआरजी और हॉक फोर्स का गठन किया गया। हॉक फोर्स का मुख्यालय भोपाल से बालाघाट के कनकी में शिफ्ट किया गया। डीआरजी, हॉक फोर्स, सीआरपीएफ और कोबरा फोर्स की नक्सलियों के खात्मे में अहम भूमिका रही। दशकों से बालाघाट में जमे नक्सलियों पर नकेल लगाना इतना भी आसान नहीं था। अव्वल तो ये जिला घने जंगलों, पहाड़ों और दर्रों से घिरा हुआ है। दूसरा, इसकी सीमाएं छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से लगती हैं। नक्सल उन्मूलन के लिए सुरक्षाबलों द्वारा एक साल में दो हजार से ज्यादा सर्चिंग ऑपरेशन चलाए गए। एमएमसी जोन में सबसे ज्यादा हैं। वहीं छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव और खैरागढ़ में ढाई सौ से ज्यादा और महाराष्ट्र के गोंदिया में डेढ़ दर्जन से ज्यादा ऑपरेशन चलाए गए। जब मध्यप्रदेश में सर्चिंग तेज होती तो नक्सली छत्तीसगढ़ या महाराष्ट्र के सीमावर्ती इलाकों में भाग जाते और जब वहां सर्चिंग तेज होती तो वो बालाघाट आ जाते। जब सुरक्षा बलों ने नक्सलियों को उनके ही क्षेत्र में घेर लिया तो उनके सामने सरेंडर करने या जान देने के अलावा कोई विकल्प ही नहीं बचा। जब नक्सली, पुलिस का गोली का शिकार बनने लगे तो आत्मसमर्पण करने का सिलसिला तेज हो गया। कभी बालाघाट तो कभी छग में नक्सली आत्मसमर्पण करने लगे। करीब साढ़े तीन दशकों तक बालाघाट जिले सहित सीमावर्ती जिलों में दहशत फैलाने वाले नक्सल संगठन का पूरी तरह खात्मा हो गया। दरअसल, भारत में नक्सलवाद के जड़ से खात्मे की डेडलाइन 31 मार्च 2025 है, जबकि मध्य प्रदेश ने नक्सल मुक्त होने का लक्ष्य 26 जनवरी 2026 था। निर्धारित समय से पहले ही 11 दिसंबर 2025 को एमएमसी जोन के अंतिम सक्रिय नक्सली दीपक उर्फ सुधाकर और रोहित उर्फ मंगलू ने बालाघाट में सरेंडर कर दिया। 56 वर्षीय दीपक बालाघाट के पालाघोंदी और 36 वर्षीय रोहित बीजापुर (छत्तीसगढ़) के फतेनार का रहने वाला है। इनके सरेंडर के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने एमपी के नक्सल मुक्त होने की घोषणा की। यहां बता दें कि बालाघाट जिले में साल 1990 में नक्सलियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। इसके बाद माओवादियों की दहशत बढ़ती गई। साल 1991 में नक्सलियों ने थाना बहेला क्षेत्रान्तर्गत सीतापाला में ब्लास्ट किया था इसमें 9 पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। बालाघाट जिले के सीतापाला थाना में नक्सलियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। इसके बाद नक्सलवाद बालाघाट से मंडला और डिंडोरी तक फैल गया। मालूम हो कि नक्सल विरोधी अभियान में 38 पुलिसकर्मी शहीद हुए। 57 आम नागरिक भी जनशहीद हुए। इस दौरान 45 नक्सली मुठभेड़ में मारे गए और 28 हार्डकोर नक्सली गिरफ्तार किया गए। इस दौरान सुरक्षाबलों के जवानों और आम लोगों सहित 105 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। नक्सलविरोधी अभियान में हॉक फोर्स, सीआरपीएफ, कोबरा फोर्स, पुलिस जवान के दो हजार से अधिक जवानों ने मोर्चा संभाला। नक्सलउन्मूलन में सबसे बड़ा योगदान हॉक फोर्स का रहा। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के ही ज़हन में ये बात आई कि बालाघाट जिला नक्सलमुक्त तो हो गया लेकिन अभी विकास की चुनौती बाकी है। पुलिस कप्तान आदित्य मिश्रा 2018 बैच के आईपीएस हैं। उन्हें दो बार वीरता पदक से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा वे तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने कविता सुनाई थी। सितंबर 2020 में पीएम नरेंद्र मोदी ने आईपीएस अधिकारियों के एक कार्यक्रम में ऑनलाइन शिरकत की थी। पीएम मोदी ने आईपीएस अधिकारियों से चर्चा की थी। इस दौरान आदित्य मिश्रा इंदौर में तैनात थे। उन्होंने वर्चुअल मीट में पीएम मोदी के सामने एक कविता सुनाई थी। इस कविता का शीर्षक था मैं खाकी हूं। बालाघाट जिले में बतौर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (बैहर) और एएसपी (नक्सल ऑपरेशन) रह चुके हैं।

कोचिंग संस्कृति और बच्चों की मौतें: सफलता के नाम पर असफल समाज

डॉ0 प्रियंका सौरभ

कोटा में एक और छात्रा की आत्महत्या—यह कोई साधारण खबर नहीं है और न ही किसी एक परिवार की निजी त्रासदी भर। यह उस शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक मानसिकता और तथाकथित "सफलता मॉडल" पर गहरा प्रश्नचिह्न है, जिसे हमने पिछले दो दशकों में बिना सवाल किए स्वीकार कर लिया है। आत्महत्या करने वाली छात्रा कृति का सुसाइड नोट केवल व्यक्तिगत पीड़ा का दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि वह एक आरोपपत्र की तरह हमारे पूरे समाज के सामने खड़ा होता है—माता-पिता, कोचिंग संस्थान, स्कूल और नीति-निर्माता सभी इसके दायरे में आते हैं। कृति ने अपने सुसाइड नोट में भारत सरकार और मानव संसाधन मंत्रालय से अपील की थी कि अगर वे सच में चाहते हैं कि कोई बच्चा न मरे, तो कोचिंग संस्थानों को जल्द से जल्द बंद कर देना चाहिए, क्योंकि ये संस्थान छात्रों को भीतर से खोखला कर देते हैं। यह कथन किसी क्षणिक आवेग का परिणाम नहीं था, बल्कि उस लंबे मानसिक उत्पीड़न की अभिव्यक्ति थी, जिसे आज लाखों छात्र रोज़ झेल रहे हैं। असली सवाल यह नहीं है कि कृति ने ऐसा क्यों लिखा, बल्कि यह है कि क्या वह ग़लत थी। आज भारत में कोचिंग शिक्षा का सहायक माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि एक विशाल और मुनाफ़े पर आधारित उद्योग बन चुकी है। कोटा, सीकर, हैदराबाद, दिल्ली और पटना जैसे शहर "एजुकेशन हब" कहलाते हैं, जहाँ हर साल लाखों किशोर अपने माता-पिता के सपनों का बोझ उठाए पहुँचते हैं। इन सपनों के केंद्र में कुछ सीमित शब्द होते हैं—आईआईटी, एम्स, नीट, रैंक और सेलेक्शन। कोचिंग संस्थान बच्चों को यह यक़ीन दिलाते हैं कि यदि वे चयनित नहीं हुए, तो वे असफल हैं। सफलता की यह परिभाषा इतनी संकीर्ण है कि उसमें औसत छात्र के लिए कोई जगह नहीं बचती, और असफलता से उबरने की कोई मानवीय प्रक्रिया भी नहीं होती। कृति का यह कथन कि "90+ अंक लाने वाली लड़की भी आत्महत्या कर सकती है" हमारे उस भ्रम को तोड़ता है, जिसमें हम यह मान लेते हैं कि मानसिक संकट केवल कमजोर या असफल छात्रों तक सीमित है। यह सोच न सिर्फ़ ग़लत है, बल्कि ख़तरनाक भी है। आज का दबाव केवल परीक्षा पास करने या अच्छे अंक लाने का नहीं रह गया है, बल्कि माता-पिता, शिक्षकों और समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का बन गया है। हर बच्चा अपने भीतर एक काल्पनिक 'परफेक्ट स्टूडेंट' की छवि ढो रहा है, जिससे वह लगातार हारता चला जाता है। ऊँचे अंक और बेहतर प्रदर्शन भी अब मानसिक शांति की गारंटी नहीं रहे, क्योंकि समस्या पढ़ाई की नहीं, बल्कि उस माहौल की है जिसमें पढ़ाई कराई जा रही है। कृति द्वारा अपनी माँ के लिए लिखी गई पंक्तियाँ इस पूरे संकट की जड़ को उजागर करती हैं। वह बताती है कि उसे विज्ञान पसंद करने के लिए मजबूर किया गया, जबकि उसकी वास्तविक रुचि अंग्रेज़ी साहित्य और इतिहास में थी। यह कहानी किसी एक घर तक सीमित नहीं है। यह देश के हज़ारों, बल्कि लाखों घरों की सच्चाई है, जहाँ बच्चे की रुचि से ज़्यादा समाज की अपेक्षा मायने रखती है। माता-पिता अक्सर यह भूल जाते हैं कि बच्चा उनकी अधूरी महत्वाकांक्षाओं का विस्तार नहीं है, बल्कि एक स्वतंत्र व्यक्तित्व है। सामाजिक तुलना—कि फलाँ का बेटा डॉक्टर बन गया या फलाँ की बेटी आईआईटी में पहुँच गई—हमें इतना अंधा कर देती है कि हम बच्चों की इच्छाओं, क्षमताओं और सीमाओं को अनदेखा कर देते हैं। कृति ने अपनी छोटी बहन को लेकर जो चेतावनी दी, वह इस सुसाइड नोट को और भी मार्मिक बना देती है। वह चाहती है कि उसकी बहन को वही पढ़ने दिया जाए, जो वह पढ़ना चाहती है, और वही बनने दिया जाए, जो वह बनना चाहती है। यह विडंबना है कि मरते समय भी वह किसी और की ज़िंदगी बचाने की कोशिश कर रही थी। यह चेतावनी केवल एक माँ के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए है, जो बच्चों को सुनने के बजाय उन पर अपने सपने थोपता है। आज के स्कूल और कोचिंग संस्थान बच्चों को गणित के सूत्र, रसायन के समीकरण और प्रतियोगी परीक्षाओं की रणनीतियाँ तो सिखा रहे हैं, लेकिन जीवन के सबसे ज़रूरी पाठ सिखाने में पूरी तरह असफल हो रहे हैं। वे बच्चों को यह नहीं सिखा पा रहे कि असफलता से कैसे निपटना है, मानसिक तनाव को कैसे समझना है और मदद माँगना कमजोरी नहीं है। प्रतिस्पर्धा को प्रेरणा के बजाय भय का औज़ार बना दिया गया है। रैंक लिस्ट, मॉक टेस्ट और लगातार तुलना बच्चों के मन में स्थायी हीनभावना भर देती है, जिससे वे खुद को केवल अंकों और चयन के चश्मे से देखने लगते हैं। हर ऐसी मौत के बाद सरकार की ओर से औपचारिक बयान आते हैं, जाँच के आदेश दिए जाते हैं और कुछ दिनों तक बहस चलती है। इसके बाद सब कुछ फिर सामान्य हो जाता है। न कोचिंग संस्थानों के कामकाज पर सख़्त निगरानी होती है, न उनके घंटे सीमित किए जाते हैं, न मानसिक स्वास्थ्य को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाता है। यदि सरकार सच में गंभीर है, तो कोचिंग उद्योग के लिए सख़्त नियमन, छात्रों के लिए सुलभ मानसिक स्वास्थ्य सहायता और स्कूल स्तर पर करियर की विविध संभावनाओं को स्वीकार करने की ठोस नीति बनानी होगी। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हम सफलता को किस रूप में परिभाषित करते हैं। क्या एक अच्छा इंसान बनना, मानसिक रूप से स्वस्थ रहना और अपनी रुचि के क्षेत्र में संतुष्ट जीवन जीना सफलता नहीं है? यदि नहीं, तो हम एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जो चयनित तो होगी, लेकिन भीतर से टूटी हुई और असंतुष्ट होगी। कृति की मौत हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि कहीं हम अपने बच्चों को ज़िंदा रहते हुए ही तो नहीं मार रहे—उनकी इच्छाओं को, उनके सपनों को और उनकी स्वतंत्रता को। कृति का सुसाइड नोट केवल एक छात्रा की अंतिम अभिव्यक्ति नहीं है, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी है। अगर अब भी हमने नहीं सुना, नहीं समझा और नहीं बदले, तो ऐसी घटनाएँ रुकने वाली नहीं हैं। सवाल यह नहीं है कि अगला बच्चा कौन होगा। असली सवाल यह है कि क्या हम अगले बच्चे को बचा पाएँगे।

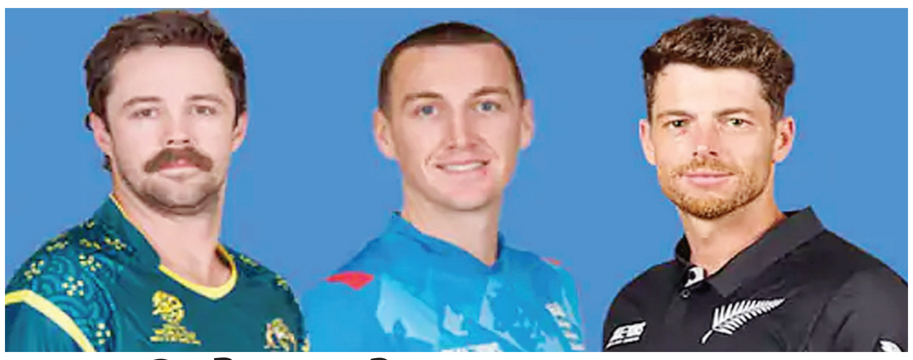

न्यूजीलैंड को हराकर सुपर-8 के करीब पहुंचा साउथ अफ्रीका

ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें बढ़ी

कोलंबो (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज के 24 मुकाबले खेले जा चुके हैं। 6 दिन में 16 मैच और बचे हैं। अब तक किसी भी टीम ने सुपर-8 में जगह नहीं बनाई, लेकिन शनिवार को साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को हराकर अपनी पोजिशन लगभग कन्फर्म कर ली। अफगानिस्तान का क्वालिफाई कर पाना मुश्किल है, वहीं ओमान एलिमिनेट होने वाली पहली टीम बन गई।

ग्रुप-एः भारत-पाकिस्तान के पास क्वालिफिकेशन का मौका

ग्रुप-ए में मेजबान भारत और 2009 की चैंपियन पाकिस्तान के अलावा अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया हैं। भारत और पाकिस्तान 2-2 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में टॉप-2 पोजिशन पर हैं। आज दोनों के बीच होने वाला मैच जीतने वाली टीम सुपर-8 में अपनी जगह लगभग कन्फर्म कर लेगी। वहीं हारने वाली टीम को आखिरी दोनों मैच जीतने ही होंगे।

इस ग्रुप में नामीबिया दोनों मैच हार चुकी है, टीम ने एक और मुकाबला गंवाया तो एलिमिनेट हो जाएगी। अमेरिका और नीदरलैंड भी 2-2 मैच हार चुकी है, इन्हें भी क्वालिफाई करने के लिए आखिरी मुकाबले जीतने ही होंगे। दोनों टीमें 1-1 जीत के साथ तीसरे और चौथे नंबर पर हैं।

ग्रुप-बीः ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें बढ़ीं

ग्रुप-बी की सिचुएशन इस समय सबसे ज्यादा मजेदार है। होम टीम श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया को हराने वाली जिम्बाब्वे 2-2 जीत के साथ टॉप-2 पोजिशन पर हैं। ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका के खिलाफ एक मैच खेलना है, यहां अगर कंगारू टीम हार गई तो उनका अगले राउंड में पहुंचना नामुमकिन सा हो जाएगा। क्योंकि जिम्बाब्वे फिर आयरलैंड को हराकर ही सुपर-8 में पहुंच जाएगी।

श्रीलंका का एक मैच जिम्बाब्वे के खिलाफ भी है, इसे जीतने वाली टीम अपनी जगह अगले राउंड में कन्फर्म कर लेगी। ऑस्ट्रेलिया को ओमान से भी भिड़ना है, लेकिन उन्हें क्वालिफाई करने के लिए आखिरी दोनों मैच जीतने होंगे। ओमान 3 मैच हारकर बाहर हो चुकी है। आयरलैंड 2 मैच हार चुकी है, टीम का क्वालिफाई कर पाना बेहद मुश्किल है। उनका आखिरी मैच जिम्बाब्वे से होगा।

ग्रुप-सीः इंग्लैंड को सभी मैच जीतने होंगे

2-2 बार की चैंपियन इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के अलावा इस ग्रुप में स्कॉटलैंड, इटली और नेपाल भी हैं। दोनों वर्ल्ड चैंपियन टीमें 2-2 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में शुरुआती 2 पोजिशन पर हैं। इंग्लैंड को इकलौती हार विंडीज से ही मिली। अब इंग्लिश टीम को क्वालिफाई करने के लिए इटली के खिलाफ आखिरी मैच जीतना ही होगा। वेस्टइंडीज को इटली और नेपाल से भिड़ना है, दोनों मुकाबले जीतकर टीम नंबर-1 पर रहकर फिनिश करेगी। स्कॉटलैंड और नेपाल ने 1-1 मैच और गंवाया तो टीमें अगले राउंड से बाहर हो जाएंगी। इटली को 1 जीत और 1 हार मिली है, लेकिन उनके 2 मुकाबले इंग्लैंड और वेस्टइंडीज से बचे हैं, ऐसे में टीम का दोनों मैच जीतकर क्वालिफाई कर पाना मुश्किल है।

ग्रुप-डीः अफगानिस्तान लगभग बाहर, साउथ अफ्रीका की राह आसान

टूर्नामेंट का सबसे मुश्किल ग्रुप यही था। इसमें 2024 की फाइनलिस्ट साउथ अफ्रीका, 2021 की रनर-अप न्यूजीलैंड और 2024 की सेमीफाइनलिस्ट अफगानिस्तान की टीमें थीं। अफगानिस्तान ने कीवी और प्रोटियाज टीम के खिलाफ अपने दोनों मैच गंवा दिए। अब उन्हें क्वालिफाई करने के लिए आखिरी दोनों मैच जीतने के साथ न्यूजीलैंड के हारने की दुआ भी करनी होगी।

वेस्टइंडीज लगातार तीसरी जीत के साथ सुपर-8 में

नेपाल को 9 विकेट से हराया, होप का अर्धशतक, होल्डर ने 4 विकेट लिए

मुंबई (एजेंसी)। वेस्टइंडीज लगातार तीन जीत के साथ इस वर्ल्ड कप के सुपर-8 में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। टीम ने रविवार को दिन के पहले मैच में नेपाल को 9 विकेट से हराया। वहीं, नेपाल लगातार तीसरा मुकाबला हारकर सुपर-8 से बाहर हो गई है। वेस्टइंडीज ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला किया। नेपाल ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 133 रन बनाए। जवाब में विंडीज ने 15.2 ओवर में 1 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। दोनों टीमें ग्रुप-सी में हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

नेपाल– कुशल भुर्तेल, आसिफ शेख, रोहित पौडेल (कप्तान), दीपेंद्र सिंह ऐरी, आरिफ शेख, लोकेश बम, गुलशन झा, सोमपाल कामी, करण केसी, नंदन यादव, संदीप लामिछाने और ।

वेस्टइंडीज– शाई होप (कप्तान), ब्रैंडन किंग, शिमरोन हेटमायर, रोस्टन चेज, रोवमन पॉवेल, शेरफन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, जेसन होल्डर, मैथ्यू फोर्ड, अकील हुसैन, गुडाकेश मोती, शमार जोसेफ ।

होप की नाबाद हाफ सेंचुरी

वेस्टइंडीज के लिए कप्तान शाई होप ने नाबाद अर्धशतक लगाया । उन्होंने 44 बॉल पर नाबाद 61 रन बनाए । उनके अलावा शिनरोन हेटमायर ने नाबाद 46 और ब्रैंडन किंग ने 22 रन बनाए । नेपाल के लिए नंदन यादव को 1 विकेट मिला ।

ऐरी ने अर्धशतक लगाया

नेपाल के लिए दीपेंद्र सिंह ऐरी ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 47 बॉल पर 58 रन बनाए। सोमपाल कामी 15 बॉल पर 26 रन बनाकर नाबाद रहे। लोकेश बम 13, गुलशन झा और आसिफ शेख 11-11 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए जेसन होल्डर ने 4 विकेट झटके। रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, अकील हुसैन और शमार जोसेफ को 1-1 विकेट मिला। ऐरी टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में नेपाल के लिए 50+ स्कोर बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने। इससे पहले 2014 में चटगांव में अफगानिस्तान के खिलाफ सुभाष खाकुरेल ने 56 रन बनाए थे।

प्रमोद भगत ने पैरा बैडमिंटन में रिकॉर्ड छठा विश्व खिताब जीता

मनामा (एजेंसी)। मनामा में आयोजित बीडब्ल्यूएफ पैरा बेडमिंटन वर्ल्ड चैंमिपयनशिप में भारत के स्टार पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने इतिहास रच दिया। 37 वर्षीय भगत ने पुरुष एकल एसएल3 वर्ग के फाइनल में इंडोनेशिया के मोहम्मद अल इमरान को 21-12, 21-18 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह उनके करियर का लगातार चौथा विश्व चैंपियनशिप एकल स्वर्ण और कुल मिलाकर छठा विश्व खिताब है। एसएल3 वर्ग में वे खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जिनके निचले अंगों में गंभीर विकलांगता होती है। पांच साल की उम्र में पोलियो से प्रभावित होने के बावजूद भगत ने अपने खेल से दुनिया में भारत का नाम रोशन किया है।

उन्होंने इससे पहले 2009, 2015, 2019, 2022 और 2024 में भी विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। इस जीत के साथ वह विश्व चैंपियनशिप इतिहास में सबसे सफल एकल खिलाड़ी बन गए हैं।

यूएस डील ने बदला विदेशी निवेशकों का मूड, भारतीय बाजार में डाले 19675 करोड़

मुंबई, एजेंसी। एफपीआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजार से 35,962 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये निकाले थे । कुल मिलाकर, 2025 में एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है ।

अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजार की ओर रुझान बढ़ा है । ऐसे निवेशकों ने फरवरी के पहले दो सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार में 19,675 करोड़ रुपये डाले हैं । आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई का यह फ्लो लगातार तीन माह की भारी बिकवाली के बाद हुआ है । बता दें कि एफपीआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजार से 35,962 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये निकाले थे । कुल मिलाकर, 2025 में एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 1.66 लाख करोड़ रुपये (18.9 अरब डॉलर) की निकासी की है । यह एफपीआई के फ्लो की दृष्टि से सबसे खराब वर्षों में रहा है । मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि हाल की खरीदारी को वैश्विक वृहद चिंताओं में कमी, खासकर अमेरिका के नरम महंगाई आंकड़ों से समर्थन मिला है । इससे उन की भारत समेत उभरते बाजार में जोखिम लेने की क्षमता बेहतर हुई है । इसी तरह की राय जताते हुए एंजेल वन के विश्लेषक वकारजावेद खान ने कहा कि यह फ्लो अमेरिका-भारत व्यापार करार, समर्थन देने वाले 2026-27 के आम बजट और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं में कमी की वजह से देखने को मिला है ।

1374 करोड़ रुपये की बिकवाली–एफपीआई फरवरी माह के 11 कारोबारी सत्रों में से सात में खरीद रहे और चार सत्रों में बिकवाल रहे । इसके बावजूद आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई ने इस महीने शुद्ध रूप से 1,374 करोड़ रुपये की बिकवाली की है ।

प्राइमरी मार्केट में इस हफ्ते आ रहे हैं 3 कंपनियों के आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइमरी मार्केट में इस हफ्ते तीन कंपनियों के आईपीओ खुल रहे हैं। इन तीन कंपनियों के आईपीओ में दो एसएमई सेगमेंट के हैं। वहीं, एक आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है। आइए एक-एक करके जानते हैं इन कंपनियों के विषय में ...

कंपनी के आईपीओ का साइज 49 करोड़ रुपये का है। आईपीओ के जरिए कंपनी 23 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। यह इश्यू पूरी तरह से फ्रेश शेयरों पर आधारित है। आईपीओ 16 फरवरी से 18 फरवरी तक खुला रहेगा। कंपनी ने 205 रुपये से 216 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। वहीं, लॉट साइज 600 शेयरों का बनाया है। रिटेल निवेशकों को कम से कम 1200 शेयरों पर दांव लगाना होगा। जिसकी वजह से मिनिमम इन्वेस्टमेंट वैल्यू 259200 रुपये है।

ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 4 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। इन्वेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी के आईपीओ का सबसे अधिक जीएमपी 6 रुपये प्रति शेयर है। वहीं, सबसे कम जीएमपी जीरो रुपये है। यह आईपीओ 18 फरवरी को खुलेगा। कंपनी का आईपीओ 20 फरवरी तक ओपन रहेगा। कंपनी ने 110 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। वहीं, लॉट साइज 1200 शेयरों का बनाया गया है। रिटेल निवेशकों को कम से कम 2400 शेयरों पर दांव लगाना होगा। मिनिमम इन्वेस्टमेंट वैल्यू 264000 रुपये है। इस आईपीओ का साइज 88.88 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 81 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। इस हफ्ते के आखिरी में यह आईपीओ खुलेगा। निवेशकों के पास 20 फरवरी से 24 फरवरी तक आईपीओ पर दांव लगाने का मौका रहेगा। यह मेनबोर्ड सेगमेंट का आईपीओ है। आईपीओ के जरिए कंपनी 2.09 करोड़ शेयर जारी करेगी। इसमें 1.14 करोड़ शेयर फ्रेश इश्यू के जरिए जारी होंगे।

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में स्टार्टअप्स के दिन लद गए

पुरानी कंपनियों ने जमाया कब्जा, लगातार अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक टूव्हीलर को भारत में लोकप्रिय करने का श्रेय भले ही स्टार्टअप्स को जाता हो। लेकिन अब वे ग्राहकों की चित्त से उतर रहे हैं। जी हां, भारत के ई 2व्हीलर बाज़ार में एक बड़ा बदलाव आया है। इस साल से पहले तक स्टार्टअप्स का भले ही दबदबा रहा हो, लेकिन अब पुरानी और जानी-मानी कंपनियां इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में आगे बढ़ रही हैं।

हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2026 तक, टीवीएस मोटर, बजाज ऑटो और हीरो मोटोकॉर्प जैसी बड़ी कंपनियों ने इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार का 60 प्रतिशत हिस्सा अपने कब्ज़े में ले लिया है। यह आंकड़ा 2023 में सिर्फ 34 प्रतिशत था। ऑटोमोटिव मार्केट रिसर्च फर्म जाटो डायनेमिक्स के मुताबिक, यह एक बड़ा बदलाव है। इस रिपोर्ट के मुताबिक यह बदलाव पिछले एक साल में तेजी से हुआ है। स्टार्टअप्स ने भले ही इस बाज़ार की शुरुआत की और शुरुआती खरीदारों को आकर्षित किया। लेकिन अब पुरानी कंपनियां अपने बड़े डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क,

बिक्री के बाद की सर्विस और सही समय पर नए मॉडल लॉन्च करके आम ग्राहकों को जीत रही हैं। पहले से जमा-जमाया नाम भी है इन कंपनियों का। तभी तो इनका भरोसा ईवी में भी सामने आ रहा है ऐसा क्यों हुआ, इस पर एक इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव ने कहा, शुरुआती दौर में सबसे पहले आना मायने रखता था। अब लगातार अच्छा प्रदर्शन करना ज़्यादा ज़रूरी है। उन्होंने आगे कहा, पुरानी कंपनियों ने इंतज़ार किया, अपनी सप्लाई चेन और डीलरों को तैयार किया, और अब वे सही समय पर अपने प्रोडक्शन को बढ़ा रही हैं। बड़ा फायदा किस कंपनी को

रिपोर्ट के मुताबिक टीवीएस मोटर इस बदलाव का एक बड़ा फायदा उठाने वाली कंपनी बनकर उभरी है। उनकी इलेक्ट्रिक व्हीकल की रणनीति में शामिल है- लगातार प्रोडक्शन बढ़ाना और प्रोडक्ट्स की रेंज को वाइड करना शामिल है। इससे वे अलग-अलग तरह के ग्राहकों को आकर्षित कर पा रहे हैं। कंपनी के क्यू3 एफवाय26 नतीजों के बाद, टीवीएस मोटर ह के सीईओ और डायरेक्टर, के.एन. राधाकृष्णन ने बताया कि उनके फ्लैगशिप आईक्यूब और नए लॉन्च हुए ऑर्बिटर , जो अलग तरह के खरीदारों को टारगेट करता है, दोनों की मांग बहुत अच्छी है। तभी तो दिसंबर 2025 की तिमाही में, कंपनी ने पहली बार एक लाख (100,000) से ज़्यादा इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे। यह तब हुआ जब साल की शुरुआत में प्रोडक्शन में कुछ दिक्कतें थीं। विश्लेषकों का कहना है कि यह टीवीएस की डिस्ट्रीब्यूशन पहुंच का फायदा दिखाता है, जब प्रोडक्शन बड़े पैमाने पर होता है।

बजाज ऑटो बजाज ऑटो ने भी बैटरी पैक की सप्लाई की शुरुआती दिक्कतों को दूर करने के बाद ज़बरदस्त वापसी की है। इससे पहले तो बैटरी पैक की वजह से प्रोडक्शन को धीमा कर रही थीं।

एनवीडिया सीईओ का भारत दौरा रद्दः इंडिया एआई समिट में नहीं दिखेंगे जेनसन हुआंग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी में आयोजित होने वाले बहुप्रतीक्षित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट से ठीक पहले आयोजकों और तकनीकी जगत के लिए एक निराशाजनक खबर आई है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चिप निर्माण में दुनिया की अग्रणी कंपनी एनवीडिया (एनवीडिया) के सीईओ जेनसन हुआंग ने अपना भारत दौरा रद्द कर दिया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने शुक्रवार शाम को इस घटनाक्रम की पुष्टि की।

हुआंग का यह दौरा भारत के एआई ईकोसिस्टम के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा था, लेकिन अब कंपनी ने साफ किया है कि अपरिहार्य कारणों से वे इस शिखर

सम्मेलन में व्यक्तिगत रूप से मौजूद नहीं रह पाएंगे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने जानकारी दी है कि एनवीडिया के शीर्ष नेतृत्व ने अपनी यात्रा रद्द करने का निर्णय लिया है। अधिकारी ने कहा, एनवीडिया सीईओ ने कुछ अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण अपनी यात्रा रद्द कर दी है।

हालांकि, कंपनी ने यह सुनिश्चित किया है कि इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उनकी भागीदारी बनी रहे। सीईओ की अनुपस्थिति में, एनवीडिया अपना एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेज रही है जो समिट में कंपनी का प्रतिनिधित्व करेगा और भारत के एआई विजन पर चर्चा करेगा।

16 फरवरी से भारत मंडपम में महाकुंभ इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का आयोजन हो रहा है। यह कार्यक्रम नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित प्रतिष्ठित भारत मंडपम में होगा। यह शिखर सम्मेलन 16 फरवरी से शुरू होकर 20 फरवरी तक चलेगा। इस पांच दिवसीय कार्यक्रम का मकसद भारत को दुनिया के एआई मानचित्र पर स्थापित करना और तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देना है। जेनसन हुआंग इस कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में से एक थे, और उनकी उपस्थिति से भारत की एआई महत्वाकांक्षाओं को वैश्विक मंच पर एक बड़ी मजबूती मिलने की उम्मीद थी।

तकनीकी दुनिया में एनवीडिया की स्थिति किसी परिचय की मोहताज नहीं है। यह कंपनी वैश्विक एआई ईकोसिस्टम में सबसे प्रमुख खिलाड़ियों में से एक है। एनवीडिया का प्रभुत्व मुख्य रूप से इसके फास्ट प्रोसेसिंग जीपीयू सर्वर के कारण है, जो एआई मॉडल की ट्रेनिंग और संचालन के लिए रीढ़ की हड्डी माने जाते हैं। भारत, जो अपने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और एआई क्षमता को तेजी से बढ़ा रहा है, के लिए एनवीडिया जैसी कंपनी के साथ साझेदारी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। हालांकि सीईओ का आना टल गया है, लेकिन उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति यह सुनिश्चित करेगी।

10 देशों की 15 दिग्गज टेक कंपनियों ने मिलाया हाथ, वैश्विक स्तर पर मुहैया कराएंगे भरोसेमंद तकनीक

नई दिल्ली, एजेंसी। तकनीक को लेकर वैश्विक सीमाओं से परे भरोसा और उच्च मानक कायम करने के लिए 10 देशों की 15 दिग्गज टेक कंपनियों ने हाथ मिलाया है। अफ्रीका, एशिया, यूरोप और नॉर्थ अमेरिका की इन अग्रणी कंपनियों ने ट्रस्टेड टेक एलायंस (टीटीए) के गठन की घोषणा की है। समान सोच वाले वैश्विक टेक्नोलॉजी प्रदाताओं के इस समूह में भारत की ओर से जियो प्लेटफॉर्म शामिल है। जर्मनी में आयोजित म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के दौरान टीटीए का ऐलान किया गया, जिसका उद्देश्य कनेक्टिविटी, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, सॉफ्टवेयर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक फैले टेक्नोलॉजी स्टैक के लिए भरोसेमंद और

सत्यापित मानक विकसित करना है। इसके संस्थापक सदस्यों में अमेजन, वेब सर्विसेज, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल क्लाउड, एरिक्सन, नोकिया, एसएपी और एनटीटी समेत 15 कंपनियां शामिल हैं। माइक्रोसॉफ्ट के वाइस चेयरमैनऔर प्रेसिडेंट ब्रैड स्मिथ ने कहा कि मौजूदा वैश्विक माहौल में समान सोच वाली कंपनियों का साथ आना जरूरी है ताकि सीमाओं के पार तकनीक में भरोसा और उच्च मानक कायम रह सकें। एरिक्सन के सीईओ बोर्ये एकहोम ने कहा कि कोई एक कंपनी या देश अकेले सुरक्षित और भरोसेमंद डिजिटल ढांचा नहीं बना सकता, इसके लिए वैश्विक सहयोग अनिवार्य है। टीटीए के तहत सदस्य कंपनियों ने पांच प्रमुख सिद्धांतों पर सहमति जताई है। इनमें पारदर्शी कॉरपोरेट गवर्नेंस और नैतिक आचरण, सुरक्षित विकास प्रक्रिया और स्वतंत्र मूल्यांकन, मजबूत सप्लाई चेन व सुरक्षा निगरानी शामिल है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)